कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 16 अप्रैल 2024 | वर्ष-07 | अंक-1001 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

ममता बनर्जी ने दी आयकर विभाग को भाजपा नेताओं के हेलीकॉप्टरों के जांच करने की चुनौती

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयकर विभाग को लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हेलीकॉप्टरों की जांच करने की चुनौती दी है। दरअसल, टीएमसी नेताओं ने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी के नेता अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई। पार्टी नेताओं के इस दावे के बाद ही सीएम ममता ने आयकर विभाग को यह चुनौती दी है।

कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का टीएमसी नेताओं के खिलाफ दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, "ट्रायल रन से पहले आयकर विभाग ने अभिषेक बनर्जी के चॉपर की तलाशी ली, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। आईटी अधिकारियों ने बताया कि उनके पास इनपुर था कि चॉपर में पैसा और सोना है, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। हम ऐसे काम में शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह भाजपा ही है जो ऐसे काम करती है। क्या केंद्रीय एजेंसियों के पास भाजपा नेताओं के चॉपर की तलाशी लेने का साहस है?

रविवार को टीएमसी ने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने कोलकाता के बेहाला फ्लाइंग क्लब में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली। उन्होंने इसे भाजपा की सोची समझी साजिश बताया है। इसी के साथ टीएमसी ने भाजपा पर विपक्षी नेताओं को डराने धमकाने का आरोप भी लगाया है। टीएमसी के इस दावे पर आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि तलाशी जैसी कोई भी प्रवर्तन कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आगे बताया कि टीएमसी नेता हेलीकॉप्टर में मौजूद भी नहीं थे।

टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा, लोकसभा चुनाव के पहले चरण से पहले हमारे नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए भाजपा एनआईए का इस्तेमाल कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप देश की स्वतंत्रता को बचाना चाहते हैं तो भाजपा को सत्ता से हटाना होगा। तभी देश स्वतंत्र रह पाएगा। अगर ये पार्टी चुनाव जीतती है तो भविष्य में कभी चुनाव नहीं होगा। यह एक निरंकुश सरकार है। वे देश मे एक नेता, एक राष्ट्र, एक भाषण और एक भोजन चाहते हैं।

रामनवमी उनके लिए दंगा करने का दिन- ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (कोलकाता): ममता बनर्जी ने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर इस बार भी केंद्र में भाजपा सरकार आई तो देश में लोकतंत्र ही नहीं बचेगा, और अगर ऐसा हुआ तो बीजेपी वाले ही सबकुछ तय करेंगे। वही बताएंगे की क्या पहनोगे और कितना सोओगे।

इसके आगे ममता बोली कि वही तय करेंगे कि आप रोज़ सुबह चाय के साथ गऊ मूत्र भी पियोगे।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर बीजेपी को नहीं हटाया गया तो संपूर्ण भारत से लोकतंत्र का सफाया हो जाएगा। और अगर यही सरकार रही तो फिर यही लोग तय करेंगे कि आप कितना खाएंगे, कितना पिएंगे और क्या पहनेंगे।

ममता ने आगे कहा कि वे ही लिख-लिखकर तय करेंगे की आप चाय के साथ गऊमूत्र पिऐंगे, और वहीं वो ये भी तय कर देंगे कि आप किस चीज़ के साथ कितना गोबर खाएंगे। इसके आगे ममता ने तंज कसते हुए कहा कि "वे (बीजेपी) तय करेंगे कि आप क्या खाएंगे और कितना सोएंगे, मैं उन सभी को बधाई देती हूं जो नवरात्रि मनाते हैं, यह सरकार रहेगी तो लोकतंत्र नहीं रहेगा चुनाव नहीं होगा, एक नेता एक भोजन, एक नेता एक सोच कायम रहेगी, स्वतंत्र रहना है तो बीजेपी को हटाना होगा.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 17 तारीख को दंगे का दिन बताते हुए कहा कि "उन्होंने कुछ स्थानों पर पुलिस और सेना को भगवा रंग में रंग दिया है. वह फिर से युद्ध करेंगे और एक और बात वे दंगा भी कर सकते हैं." ममता ने सभी लोगों से कहा कि आप सभी लोग इस युद्ध में बिल्कुल भी शामिल न हों।

रानीगंज के भारतीय वैज्ञानिक अजय खेतान द्वारा बिना किसी ईंधन के मुफ़्त ऊर्जा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (रानीगंज): ऊर्जा प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार के ईंधन- पेट्रोल, डीज़ल, केरोसिन, सौर, पवन, जलविद्युत, तापविद्युत या परमाणु स्रोत की आवश्यकता नहीं होगी। सुक्ष्म परमाणु से लेकर अनन्त ब्रह्मांड तक हर चीज़ घूम रही है, कुछ भी स्थिर नहीं है, परमाणुओं में, इलेक्ट्रॉन बिना किसी बाहरी ईंधन के नाभिक के चारों ओर घूम रहे हैं

चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूम रहा है और पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूम रही है और सूर्य किसी बड़े तारे के चारों ओर घूम रहा है आकाश गंगाएँ भी बड़ी आकाश गंगाओं के चारों ओर घूम रही हैं और इसी तरह सारा ब्रह्माण्ड ऊर्जा से ओतप्रोत है.

निष्कर्ष: घूर्णन इस ब्रह्मांड का सबसे मौलिक गुण है और घूर्णन प्राप्त करने के लिए किसी बाहरी ईंधन की आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त अवलोकनों के आधार पर, रानीगंज के जन्मे एवं रानीगंज से शिक्षा प्राप्त कर भारतीय वैज्ञानिक अजय खेतान, एक ऊर्जा मशीन की डिज़ाइन कर रहे हैं, जो हमेशा घूमती रहेगी और ऊर्जा का उत्पादन करती रहेगी. मुफ़्त ऊर्जा मशीन कार, ट्रक, बस, ट्रेन और उद्योग से लेकर किसी भी चीज़ को चलाने में सक्षम होगी.

पांडवेश्वर एरिया जेसीसी की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (पांडवेश्वर): क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक पांडवेश्वर क्षेत्र के खुटाडीह स्थित शांतिनिकेतन कल्ब में सोमवार को महाप्रबंधक अजय कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई, बैठक क्षेत्र के सभी मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा क्षेत्रीय अधिकारी और कोलियरी के अधिकारी उपस्थित थे, बैठक का शुभारंभ महाप्रबंधक ने नववर्ष विक्रम संवत 2081 और बंग्ला नववर्ष की शुभकामना देने के साथ किया, मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने कल्याण संबंधित मुद्दों को लेकर चर्चा की स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग, कोलियरी अस्पतालों में औषधि की उपलब्धता, ड्रेन की साफ सफाई और निर्माण की मांग के साथ खुटाडीह ओसीपी का कोयला खत्म हो जाने के बाद वहा के कर्मियो को खपाने का मुद्दा भी जेसीसी की बैठक में उठा,

महाप्रबंधक ने मजदूर संगठनों की ओर से उठाए गए मुद्दों और मांगों को संबंधित विभाग के अधिकारियों से जल्द से जल्द फीडबैक देने को कहा और कहा कि समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में हमलोग कोयला उत्पादन लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गए लेकिन सभी का सहयोग ऐसा मिलता रहा तो हमलोग नये वित्तीय वर्ष में क्षेत्र को कोयला उत्पादन में आगे तक ले जायेगे,

बैठक में क्षेत्रीय अभियंता हलधर रजक, जेके कौशिल, सुरक्षा अधिकारी एसपी सिंह, वित प्रबंधक अनूप कुमार दास, कार्मिक प्रबंधक फनीद्र सिंह, मेडिकल ऑफिसर डॉ समीर पोद्दार, डीजीएम प्रभात कुमार, आरजी कर, समेत सभी अधिकारी, मजदूर नेता बीड़ी विश्वकर्मा, उत्तम मंडल, चिरंजीव देवनाथ, महेंद्र सिंह, बेनी माधव, काजी कलाम, नबो कुमार दे, अनिल सिंह आदि उपस्थित थे.

चिनाकुड़ी बाजार स्थित घर में व्यवसाई की गोली मारकर हत्या

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (कुल्टी): दशको से शांत चिनाकुड़ी अपने पुराने स्वरूप में लौटता दिख रहा है. करीब तीन दशक पूर्व यह इलाका अपराधियों का गढ़ माना जाता था, लगातार घटती अपराधिक घटनाओ से क्षेत्र के लोग त्राहिमाम थे. किन्तु पुलिसिया तत्परता के कारन क्षेत्र शांत हुआ था. लेकिन वर्तमान में लगातार हो रही हत्याओ ने दोबारा चिनाकुड़ी की पुरानी तस्वीर ताजा कर दी है.

बीते चार माह पूर्व डीपीएस मोड़ पर खुलेआम एक व्यवसाई की हत्या के बाद आज सोमवार को फिर चिनाकुड़ी बाजार में दिनदहाड़े एक व्यवसाई की हत्या कर दी गई. सिलसिलेवार हो रही हत्याओ से चिनाकुड़ी सहम सा गया है, वही पुलिस प्रशासन पर से लोगो का भरोसा उठता जा रहा है.

जानकारी के अनुसार कुल्टी थाना के नियामतपुर फाड़ी अंतर्गत चिनाकुड़ी बाजार निवासी यूके ट्रेडर्स के मालिम उमाशंकर चौहान को उनके घर में ही अपराधियों ने गोलियों से छलनी कर दिया और आराम से पैदल ही फरार हो गए. बताया जाता है कि मृतक को अस्पताल ले जाते वक्त ही उसकी मृत्यु हो गई थी.

हालाँकि पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और तफ्तीश में जुट गए है, लेकिन इस सम्बन्ध में कुछ भी जानकारी नहीं दे पा पाए. मृतक के घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिये अपराधियों की शिनाख्त की जा रही है.

वही स्थानीय लोगो ने बताया कि मृतक का बड़े पैमाने पर सूद का कारोबार था, उन्होंने आशंका जताई की शायद पैसो के लेनदेन के मामले में ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया होगा.

हालाँकि अभी कोई अधिकारी ब्यान सामने नहीं आया है और अपने स्तर पर जांच कर रही है, जांचोपरांत ही सही मामले की जानकारी मिल पायेगी.

श्री श्री सीताराम जी भवन स्टेट के मैनेजिंग कमेटी की घोषणा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (रानीगंज): श्री श्री सीताराम जी भवन स्टेट के 3 वर्ष के मैनेजिंग कमेटी की घोषणा की गई. जिसमे अध्यक्ष समाजसेवी जुगल प्रसाद गुप्ता को बनाया गया है. इससे पहले भी जुगल प्रसाद गुप्ता मैनेजिंग कमेटी के प्रमुख पद पर कई वर्ष तक रहे एवं उनके कार्यकाल में रानीगंज का सुप्रसिद्ध श्री सीताराम जी भवन स्टेट का विकास का काफी काम हुआ.

सदस्यों ने बताया कि जुगल प्रसाद गुप्ता के कार्यकाल में अभूतपूर्व विकास का काम हुआ है। ज्ञात हो कि जुगल प्रसाद गुप्ता रानीगंज चैंबर ऑफ़ कॉमर्स, लायंस क्लब रानीगंज, एवं स्पोर्ट्स असेंबली संस्था के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं महासचिव के पद पर कई बार रह चुके हैं। महासचिव का पद संजय डालमिया, कोषाध्यक्ष युवा विशाल चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट राजेश खेड़िया एवं संयुक्त सचिव अमित सराफ को बनाया गया है।

अध्यक्ष जुगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि श्री सीताराम जी स्टेट में सदस्यों ने उन पर विश्वास करके वापस उन्हें अध्यक्ष बनाया है एवं उनका प्रयास रहेगा की श्री सीताराम जी भवन स्टेट का अभूतपूर्व विकास और भी किया जाएगा। रानीगंज के सुप्रसिद्ध संस्था के रूप में इस संस्था की पहचान है।

रेलनगरी में धूमधाम से मना बांग्ला नववर्ष 1431

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (खड़गपुर): सूबे के अन्य हिस्सों की भांति जंगल महल अंतर्गत पूर्व व पश्चिम मेदिनीपुर के साथ झाड़ग्राम जनपद में भी रविवार को बांग्ला नववर्ष 1431 पारंपरिक तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नववर्ष के अवसर पर शहर के अधिकांश काली माता मंदिरों में सुबह से ही पूजा देने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। शुभ पोइला वैशाख की शुभकानाओं का आदान-प्रदान लोग प्रेमपूर्वक अपने परिचितों व मिलने वालों से करते देखे गए। सुबह जलाशयों में मंगल दीप प्रवाहित करने के साथ सूर्यदेव को अर्घ्य के बाद मां काली की पूजा की गई। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में खाता-पूजा की गई। इस मौके पर आने वाले ग्राहकों को मिठाई भेंट कर नववर्ष की बधाई दी गई। स्वर्णाभूषण प्रतिष्ठानों में खाता-पूजा को लेकर खासी चहल-पहल रही। विभिन्न दुकानदारों की ओर से इस मौके पर खरीदारी के लिए विशेष आफर भी दिए गए।

काबिलेगौर है कि वर्तमान दौर में इस पर्व में धार्मिक, पारिवारिक व बाजारवादी, तीन प्रमुख परंपराओं को आसानी से देखा जा सकता है। पूजा-आराधना जहां धार्मिक अनुष्ठान है वहीं नए साल के उपलक्ष्य में परिजनों व रिश्तेदारों को उपहार भेंट करना पारिवारिक ढांचे को मजबूत करता है। खाता-पूजा व खरीदारी पर विशेष आफर इसे कारोबारी रूप प्रदान करते हैं।

इधर चुनावी परिदृश्य में भाजपा व टीएमसी के प्रत्याशियों ने विभिन्न मंदिरों में पूजा कर अपने जनसंपर्क को मजबूत करने का भरसक प्रयास किया।

मेदिनीपुर आर्ट एकेडमी ने मनाया 'विश्व कला दिवस'

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (खड़गपुर): विश्व प्रसिद्ध कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन पूरी दुनिया में 'विश्व कला दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेदिनीपुर की सांस्कृतिक संस्था "मेदिनीपुर कला अकादमी" की पहल पर मेदिनीपुर में भी यह दिन पूरी गरिमा के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर दोपहर में मेदिनीपुर शहर के विद्यासागर स्मृति मंदिर परिसर से एक रंगारंग जुलूस शुरू हुआ और मेदिनीपुर शहर की परिक्रमा की गई।

जुलूस की शुरुआत से पहले, मेदिनीपुर की सांस्कृतिक दुनिया और अन्य क्षेत्रों के प्रमुख लोगों को स्मारक सम्मान सौंपे गए। आर्ट अकादमी के प्रमुख राजीव दास ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रख्यात छंद वादक विद्युत पाल, नृत्यांगना सविता साहा, इशिता चट्टोपाध्याय, त्रिपर्णा भट्टाचार्य, प्रियंका आध्या, देवरती दास, शाश्वती शासमल, बैसिक कलाकार रत्ना डे, सुदीप्त चक्रवर्ती, संस्कृति प्रेमी जयंत मंडल, सामाजिक कार्यकर्ता कुणाल बनर्जी, सुदीप कुमार खांडा, चित्रकार प्रशांत खटुआ, अताउल गौस और अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे। शाम को आर्ट एकेडमी की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रेलवे बिजली विभाग द्वारा हाई मास्क लाइट लगाने का गलत जगह चयन किया गया है- टिंकू वर्मा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (नियामतपुर): आसनसोल रेल मंडल के सीतारामपुर रेलवे जंक्सन स्टेशन में रेलवे बिजली विभाग की ओर से अजीबो गरीब हाई मास्क लाइट लगाने का जगह चयन किया गया। बताया जाता हैं कि सीतारामपुर रेलवे स्टेशन के रेलवे की जगहों पर कुल्टी विधायक डॉ अजय पोद्दार के नम्र निवेदन से सीतारामपुर लोको विदाई गढ़, बोका बाबा मंदिर के साथ सीतारामपुर टैगोर रेलवे मैदान के स्टेशन रोड संग्लन स्थल का चयन किया था। काफ़ी हर्ष के साथ कहना पड़ रहा है लोको विदाई गढ़, बोका बाबा मंदिर के समक्ष रेलवे की ओर से सभी स्ट्रीट एलईडी लाइट लग चुके हैं।

वहीं अजीबो गरीब हाई मास्क लाइट के स्थान को लेकर कुल्टी विधानसभा के भाजपा उपाध्यक्ष सह समाज सेवी टिंकु वर्मा ने कहा सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन के विकास कार्य हो या किसी तरह का नए कार्य का प्रपोजल या कोई कार्य तेज़ गति से सम्पन्न करने का मामला, सभी कार्यो में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों की लचर व्यवस्था खुलेआम दिखता है।

श्री वर्मा ने कहा कुछ महीने पहले ही आसनसोल रेलवे बिजली विभाग के वरीय अधिकारी के साथ कुल्टी विधायक डॉ अजय पोद्दार ने लोको विदाई गढ़, बोका बाबा मंदिर का दौरा किया था। श्री वर्मा ने कहा टैगोर फुटबॉल मैदान के स्टेशन रोड से सटे रेलवे अस्पताल के चार दिवारी पर हाइ मास्क लाइट का जगह चयन किया गया था, जिसमें हमलोग भी मौजूद थे,

साथ ही सीतारामपुर स्टेशन के बिजली विभाग के जेई इंचार्ज भी थे, उसके बाद भी हाइ मास्क लाइट को ऐसा स्थान पर लगया जा रहा, जहाँ से स्टेशन रोड, रेलवे कॉलोनी में लाइट पहुँच नहीं पायेगा। जहाँ पर लाइट लग रहा है, वहाँ पर सीतारामपुर रेलवे स्टेशन के पार्किंग से निकाले गए स्क्रैप पत्थर रखा हुआ है,

श्री वर्मा का कहना है कि लाइट के स्थान को बदलकर उचित स्थान पर नहीं लगाया गया तो रेलवे विजलेंश के साथ साथ आसनसोल रेल मंडल प्रबंधक को लिखित शिकायत की जाएगी।

बांग्ला नववर्ष की ख़ुशी में स्कूली छात्रों को विशेष थाली परोसी गई

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (कुल्टी): हिंदी कैलेंडर के अनुसार, चैत्र का महीना खत्म होते ही बैसाख का महीना शुरू हो जाता है और बंगाली समुदाय के लिए बैसाख माह का पहला दिन बहुत खास महत्व रखता है, ठीक उसी तरह जिस तरह पूरा देश पहला जनवरी को धूम -धाम से नववर्ष मनाता है, बंगाली समुदाय भी बैसाख माह के पहले दिन को नववर्ष के रूप मे बहोत ही धूमधाम से मनाते हैं,

बंगाल मे नववर्ष को पोइला बोइशाख भी कहते हैं, बंगाली समुदाय के लोग पोइला बोइशाख यानी साल के पहले दिन घरों की साफ -सफाई करते हैं और नए कपड़े पहनकर मंदिर जाकर भगवान की पूजा करते हैं, बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं, गौ माता की पूजा व उनको भोग भी लगाते है, अच्छे पकवान बनाते हैं और एक दूसरे को नए साल की बधाई देते हैं, इस दिन बंगाली लोग एक-दसूरे को गले मिलकर शुभो नोबो बोरसो कहकर नए साल की शुभकामनाएं देते हैं, शुभो नोबो बोरसो का हिंदी अर्थ होता है 'नया साल मुबारक हो.

बंगाल के इन्ही परंपराओं के मद्दे नजर पोयला बैशाख को और भी यादगार बनाने के लिए इस दिन को राज्य दिवस के रूप मे मनाया जा रहा है, इसी के तहत सरकारी स्कूलों मे मिड डे मिल योजना के तहत स्कूली छात्र और छात्राओं के परोसे जाने वाले थालियों को भी कुछ ख़ास बनाया गया, स्कूली छात्र और छात्राओं को मिड डे मिल योजना के तहत उनके थालियों मे परोसी गई विशेष मेंन्यु मे मांस, फ्रायड राईस, पुलाव अंडे और मिठाई दी गई,

इस दौरान जिन छात्र और छात्राओं के घरों मे रामनवमी या फिर नवरात्री पालन की जा रही है उनके लिए भेज थाली की व्यवस्था की गई, भेज थाली मे फ्रायड राईस, पनीर और मिठाई दी गई, हालांकि यह कार्यक्रम स्कुल मे नववर्ष के दिन ही आयोजित होनी थी, पर रविवार को नववर्ष होने के कारण तमाम स्कूलों मे छुट्टी थी, इसलिए यह कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया गया, राज्य के तमाम सरकारी स्कुलों ने सोमवार को ही स्कुल के छात्र और छात्राओं को मिड डे मिल मे यह विशेष भोजन परोसा, मिड डे मिल मे छात्रों को बांग्ला नववर्ष के मौके पर इस तरह के विशेष भोजन कराने के पीछे सबसे विशेष बात यह भी है की इस भोजन का खर्च स्कुल के शिक्षक अपनी पॉकेट मनी के साथ -साथ स्कुल के विभिन्न कार्यों मे बचे पैसों का भी इस्तेमाल किए हैं, जो काबिले तारीफ है,

कुल्टी के एक प्राइमरी स्कुल के शिक्षक मोहमद आशिफ ने बताया कि सरकार द्वारा मिडे मिल के लिए जो खर्च आता है, उस खर्च के अनुसार वह हमेशा यह प्रयास करते हैं की वह बच्चों को खाने पिने के सामान मे कोई कम्परमाइज ना हो, साथ मे वह साफ -सफाई पर भी खूब ध्यान देते हैं, उन्होने कहा बच्चों का भी कभी -कभी मन होता है, कुछ अच्छा खाना इस लिए वह नए बर्ष या फिर किसी अन्य तयहारों पर कोशिश करते हैं की उनका मिडे मिल का थाली कुछ स्पेशल हो.

उन्होंने कहा नववर्ष के मौके पर राज्य की तमाम सरकारी स्कूलों द्वारा मिडे मिल का थाली कुछ स्पेशल करने की पहले से ही योजना थी, जिस योजना के तहत उनकी यह छोटी सी कोशिश है,

वहीं सरकरी स्कूलों मे उठाए गए इस ख़ास कदमो को लेकर मिड डे मिल व पीएम पोषण योजना की निदेशक परमिता राय ने पहले ही कहा है की अगर कोई स्कुल तय मेनू से आगे बढ़कर नए साल की पूर्व संध्या स्कूली बच्चों को कुछ ख़ास खिलाता है, तो उन स्कूलों को प्रोत्साहित किया जाएगा.

मीठा- ठंडा पेय पिलाकर नववर्ष की शुभकामनाएं और यातायात का सन्देश दिया

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (रानीगंज): इस भीषण गर्मी में सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों एवं पैदल यात्रियों की प्यास बुझाने एवं उन्हें थोड़ी राहत देने के उद्देश्य से ठंडा मीठा पेय पदार्थ पिलाकर सड़क पर चल रहे लोगों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया, "स्वीट होम वेलफेयर एंड फाउंडेशन" ने।

रानीगंज के पंजाबी मोड़ चौराहे पर 2 राष्ट्रीय राजमार्गों के जंक्शन पर रानीगंज के ट्रैफिक ओसी चित्तोष मंडल और पंजाबी मोड़ चौकी आईसी रवीन्द्रनाथ दलुई को अपने साथ लेकर सड़क पर आम लोगों के बीच मीठा पेय वितरण किया।

जागरुकता बढ़ाने के लिए हैंडबिल बांटते हुए बाइक सवारों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने तथा चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने यातायात नियमों का पालन न करने के कारण बार-बार होने वाली विभिन्न दुर्घटनाओं के बारे में भी बताया और सभी को दुर्घटनाओं से कैसे दूर रखा जाए, यह भी बताया।

विभिन्न वाहनों के चालकों के साथ-साथ बस चालकों और सिविक वॉलंटियर्स को मीठा और ठंडा पेय पिलाकर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। आयोजक संस्था के मुताबिक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए उन्होंने शुरुआती दौर में सड़क सुरक्षा के मुद्दे को विशेष महत्व दिया है। इस इस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए संस्था के महासचिव बिरजा रमण मुखर्जी, अध्यक्ष गौतम सेनगुप्ता, सदस्य कामाक्षा चक्रवर्ती, चिरंजीव सरकार, दिब्येंदु चटर्जी आदि ने पहल की।

पांडवेश्वर क्षेत्र मैत्रीपूर्ण वालीबल टूर्नामेंट में किशोर रतन की टीम हुई विजई

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (पांडवेश्वर): ईसीएल इंटर एरिया वालीबाल टूर्नामेंट के बीच पांडवेश्वर क्षेत्र के अधिकारियों के बीच मैत्रीपूर्ण वालीवल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कार्मिक प्रबंधक किशोर रतन के नेतृत्व में विमल बंसल, रविभूषण तिर्की, विवेक सिंह, अंकित सिंह जडेजा और जयंत घोष शामिल थे, वही दूसरी टीम में दिलीप श्यामल के नेतृत्व में श्रवण कुमार, चेतन हर्भजनका, विवेक प्रसाद, अविनेश कुमार और रतनदीप घोष शामिल थे, मैत्रीपूर्ण बॉलीबॉल टूर्नामेंट में किशोर रतन की टीम ने दिलीप श्यामल की टीम को 31, 24 से हराकर विजेता बनी, विजेता टीम को ट्राफी दिया गया, इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक फानिद्र सिंह, वित प्रबंधक टीके राय समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे,

चिनाकुड़ी हत्या काण्ड पर मीम नेता दानिश अजीज ने संवेदना और नाराजगी व्यक्त की

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (नियामतपुर): कुल्टी थाना के नियामतपुर फाड़ी अंतर्गत चिनाकुड़ी बाजार स्थित एक घर में घुसकर व्यवसाई उमाशंकर चौहान की गोली मारकर हत्या किये जाने पर एमआईएआईएम के पश्चिम बर्दवान जिला अध्यक्ष दानिश अजीज ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए पुलिस प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त की है.

दानिश अजीज ने कहा कि लोगो को सुरक्षा प्रदान करने में आसनसोल दुर्गापुर पुलिस पूरी तरह से विफल दिख रही है. क्योकि पुलिस द्वारा बड़े बड़े दावे किये जाते है, कारोबारियों को निर्बाध तरीके से कारोबार करने में सहयोग करने की बातें करते है, किन्तु उन्हें सुरक्षा देने के मामले में पुलिस फिसड्डी नजर आ रही है.

मीम नेता ने कहा कि पुलिस दावा करती है कि सब कुछ ठीक चल रहा है, तो फिर आज चिनाकुड़ी में इतनी बड़ी वारदात कैसे हो गई, क्यों अपराधियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है, क्यों अपराधियों के दिलो में पुलिस का खौफ नहीं रहा है. पुलिस कहती है कि शहर की हर जानकरी उनके पास होती है, तो फिर ये आर्म्स और अपराधी कहाँ से आ रहे है.

उन्होंने कहा कि यह काफी सेंसेटिव मामला है, इसलिए पुलिस प्रशासन काफी गंभीरता से इसपर निष्पक्ष जांच करे और जल्द से जल्द दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजे, तभी जनता का विश्वास आप पर कायम रह सकेगा और विधि व्यवस्था भी सुचारू रूप से चल पायेगी.

एल्कट्राल चुनावी बांड भाजपा के कार्य काल का सबसे बड़ा घोटाला- शत्रुघ्न सिन्हा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (पांडवेश्वर): लाउदोहा -फरीदपुर के गौरबाजार में आसनसोल लोक सभा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में एक सभा आयोजित की गई, इस सभा में मुख्य रूप से शत्रुघ्न सिन्हा, पांडवेश्वर के विधायक व पश्चिम बर्दवान जिला अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रबर्ती, जिला परिषद कर्माध्यक्ष सुजीत मुखोपाध्याय, लाउदोहा- फरीदपुर ब्लॉक अध्यक्ष सत्तदीप घटक तथा अन्य नेता व समर्थक मौजूद रहे, सभा के पूर्व उपस्थित अतिथों का स्वागत गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया,

इस सभा को संबोधित करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा इस बार भाजपा 220 सीटों से जायदा नही जितने वाली है, क्योंकि एल्कट्राल बांड घोटाला सबसे बडी घोटाला है, जो भाजपा की देन है, इस बांड घोटाला में भाजपा की नैय्या डुबने वाली है. सभा को संबोधित करते हुए नरेंद्रनाथ चक्रबर्ती ने कहा भाजपा बंगला को वंचित करने वाली पार्टी है, इस बार राज्य के लोग भाजपा को सबक सिखायेगी.

आसनसोल और मुंबई के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (आसनसोल): रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और आसनसोल के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गर्मी के मौसम के दौरान यात्रा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, रेलवे यात्रियों को सुविधाजनक और आरामदायक परिवहन विकल्प प्रदान करने का प्रयास करता है। गर्मी के मौसम में यात्रा के प्रति बढ़ती रुचि के कारण अक्सर ट्रेन टिकट प्राप्त करने में चुनौतियाँ पैदा होती हैं। 01145 सीएसएमटी-आसनसोल स्पेशल 15.04.2024 और 27.05.2024 के बीच प्रत्येक सोमवार को (07 यात्राएँ) सीएसएमटी से 11:05 बजे रवाना होगी और यात्रा के तीसरे दिन 02:15 बजे आसनसोल पहुँचेगी। 01146 आसनसोल-सीएसएमटी स्पेशल 17.04.2024 और 29.05.2024 के बीच प्रत्येक बुधवार को (07 यात्राएँ) आसनसोल से 21:00 बजे रवाना होगी, जो यात्रा के तीसरे दिन 08:15 बजे सीएसएमटी पहुँचेगी। उक्त स्पेशल ट्रेन आवागमन के दौरान मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत कुलटी स्टेशन पर रुकेगी। उक्त स्पेशल ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित कोच होंगे।

आसनसोल रेल मंडल में बाबा साहेब की जयंती मनाई गई

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (आसनसोल): मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रांगण में सोमवार को आयोजित एक समारोह में बाबा साहब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती पर उचित श्रद्धा के साथ उनको याद किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक चेतना नंद सिंह ने बाबा साहेब बी.आर. अम्बेडकर के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्री सिंह ने अपने संक्षिप्त अभिभाषण में भारत के संविधान का निर्माण में बाबा साहब बी.आर. अम्बेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। इसी क्रम में उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बाबा साहब ने समुदाय के कमजोर वर्गों की उन्नति के लिए अथक प्रयास किया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक आशीष भारद्वाज, मुख्य परियोजना प्रबंधक- गति शक्ति यूनिट मुकेश कुमार मीना के साथ-साथ मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के शाखा अधिकारियों और कर्मचारियों तथा मान्यता प्राप्त यूनियनों के प्रतिनिधियों ने भी बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दिए।

नियामतपुर में ओम सांई केटरर एवं इवेंट मेनेजमेंट का शुभारम्भ

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (नियामतपुर): आधुनिकता के साथ-साथ लोगो की व्यस्तता भी काफी बढ़ गई है. इस आपाधापी जिंदगी में हर कोई सहूलियत चाहता है, खासकर महानगरो में रहने वाले लोग इस बात का खास ध्यान रखते है कि भले ही पैसे खर्च हो जाये पर सभी काम सुविधाजनक तरीके से संपन्न हो जाये. लोगो की इसी सोच ने इवेंट मेनेजमेंट को जन्म दिया है और आज के दौर में इसका काफी प्रचालन बढ़ गया है, अब तो छोटे छोटे शहरों में भी इवेंट मेनेजमेंट की धूम है.

इसी बात को ध्यान में रखते हुए नियामतपुर में बंगला नववर्ष के शुभ अवसर पर ओम सांई केटरर एवं इवेंट मेनेजमेंट का शुभारम्भ हुआ. रविवार की संध्या नियामतपुर शिव मंदिर के समीप एक भव्य तरीके से उद्घाटन समारोह आयोजित की गई. जहाँ शहर के गणमान्य लोगो ने उपस्थिति दर्ज कराई.

मौके पर उपस्थित ओम सांई केटरर के मालिक रितेश सिंह, विशिष्ट व्यवसाई तारा प्रसन्न घांटी (तारु दा) एवं उनकी पत्नी, ललित पंडित, समाजसेवी बापी पाल आदि ने कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर किया.

इस दौरान श्री घांटी ने कहा कि नियामतपुर भी काफी व्यस्त शहरों में गिना जाने लगा है, यहाँ भी कई तरह के उद्योग धंधे स्थापित हुए है, साथ ही सरकारी व गैर सरकारी संस्थाने है. इसलिए यहाँ भी एक ऐसी ही इवेंट मेनेजमेंट की अति आवश्यकता थी, जो ओम सांई केटरर ने पूरी कर दी है. उन्होंने आशा व्यक्त किया कि आने वाले समय में ओम सांई केटरर काफी तरक्की करेगा और लोगो की अपेक्षा के अनुरूप खरा उतरेगा.

रितेश सिंह ने कहा कि नियामतपुर वासियों समेत आसपास के लोगो की सेवा भावना से ही ओम सांई केटरर का शुभारम्भ हुआ है, चूँकि इस व्यस्ततम जिंदगी में लोगो के साथ हमलोग खड़े रहेगे, उनकी हर इच्छाओ को काफी किफायती दर में पुरे करेंगे. इसके आलावा जो लोग सक्षम नहीं है और उन्हें भी शौख है कि उनके किसी भी ओकेशन को शानदार और यादगार बनाया जाए, तो वैसे लोगो के लिए भी ओम सांई केटरर हमेशा तत्पर रहेगा.

बापी पाल ने ओम सांई केटरर को शुभकामनाये देते हुए कहा कि लोगो की आवश्यकता और ख़ुशी अनुसार काम करे हम यही कामना करते है.

आज का राशिफल

16 अप्रैल 2024
मंगलवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन उत्तम रहेगा। बिजनेस में बड़ी डील फाइनल करेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य भरपूर मिलेगा।

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा। अविवाहितो को उत्तम विवाह के प्रस्ताव मिलेंगे। मन में नकारात्मक विचारों को रखने से बचना होगा। बढ़ते खर्च को लेकर परेशान रहेंगे। बिना मांगे सलाह देने से बचे।

मिथुन
दिन सकारात्मक रहेगा। कारोबारिक यात्रा पर जाना पड़ सकता है। कानूनी मामले में आपको जीत मिल सकती है। पारिवारिक विवाद समाप्त करेंगे। घर परिवार में सभी को साथ लेकर चले।

कर्क
दिन मिलाजुला रहेगा। बिजनेस में अच्छे लाभ के योग बनेंगे। ऑफिस में मन मुताबिक माहौल बनेगा। अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। नए काम की शुरुआत करेंगे। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

सिंह
दिन व्यस्तता भरा रहेगा। अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। किसी पुरानी गलती से आपको पछतावा होगा। समय रहते महत्वपूर्ण कार्यो को पूरी करनी होगी। विरोधी को मात देने में कामयाब रहेंगे।

कन्या
दिन अनुकूल रहेगा। नौकरी में बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के जन समर्थन में इजाफा होगा। कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सावधान रहने की जरुरत है।

तुला
दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। अच्छा खासा मुनाफा कमाने को मिलेगा। कुछ विरोधी आप पर हावी होने की कोशिश करेंगे। नयी संपत्ति को खरीदने का सपना पूरा हो सकता है।

वृश्चिक
दिन भागदौड़ भरा रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ पार्टी में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यापार के लिए दिन अच्छा रहेगा। संतान की नौकरी से संबंधित कामों को लेकर भागदौड़ में लगे रहेंगे।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहने वाला है। लाभ के अवसरों को पहचानकर उन पर अमल करना होगा। जीवनसाथी के लिए नए काम की शुरुआत करेंगे। सम्मान प्राप्त होगा।

मकर
दिन सामान्य रहेगा। संतान से जुड़ा कोई फैसला आप ले सकते हैं, जो लाभदायक रहेगा। कई काम एक साथ हाथ लगने से व्यस्तता बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

कुंभ
दिन मिलाजुला रहने वाला है। स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा। नौकरी में समय रहते काम पूरा करें। रिश्तों में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है।

मीन
दिन अच्छा रहने वाला है। कोई बड़ा जोखिम उठाने से बचना होगा। पारिवारिक रिश्तो में कड़वाहट दूर करने में सफल रहेंगे। संतान के करियर को लेकर कोई फैसला बहुत ही सोच विचार ले।

एक लाख क्यूबिक फीट अवैध बालू टुंडी में जब्त

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने आज टुंडी में छापामारी कर एक लाख क्यूबिक फीट अवैध बालू जब्त किया है। साथ ही इसमें संलिप्त 7 लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है।

इस संबंध में खान निरीक्षक विनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि आज टुंडी के अंचल अधिकारी शैलेन्द्र चौरसिया, खान निरीक्षक विनोद बिहारी प्रमाणिक एवं मनियाडीह थाना के पुलिस बल के साथ संयुक्त रुप से मौजा-सर्रा में औचक छापामारी की गई। इस क्रम में अवैध रूप से खनन कर स्टॉक की गई लगभग 100000 क्यूबिक फीट बालू को जब्त किया गया। जब्त बालू स्थानिय लोगों को जिम्मेनामा पर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बालू के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण में संलिप्त 7 नामजद व्यक्तियों, आरिफ अंसारी, पिता-स्व रहमान मियां, ललन राय, पिता-सुरेन्दर राय, अरूण चौधरी, पिता-गणेश चौधरी, सिकंदर चौधरी, पिता-गणेश चौधरी, पप्पु राय, पिता-अयोध्या राय, रजाक अंसारी, पिता- स्व मगरूद्दीन मियां तथा गुलाम अंसारी, पिता-स्व बक्सी मियां, सभी ग्राम-सर्रा, थाना-मनियाडीह, के विरुद्ध मनियाडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

एक बार फिर विधायक सरयू ने भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू के बेनामी संपत्ति की ईडी से जांच की मांग की

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): धनबाद लोक सभा क्षेत्र से भाजपा के घोषित प्रत्याशी बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ़ जहां जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय लगातार हमलावर बने हुए है और आरोप प्रत्यारोप के बीच किश्तों की सीरीज में संपति का खुलासें कर रहें है वहीं इस बार उनके निशाने पर बीजेपी के उन बड़े नेताओं को भी आड़े हाथों लिया है जो ढुल्लू महतो के समर्थन में खड़े दिख रहें है. सरयू राय ने अपने 10 अप्रैल के पीसी के बाद एक बार फिर उसी कड़ी में विधायक पर बेनामी संपति अर्जित करने का आरोप लगाया वहीं अपनी बेनामी संपतियो को जमीन भूखंड के अलावा हार्ड कोक उद्योग, फ्लावर मिल आदि के निर्मित ढांचा एवं मशीनरी में लगाने का भी आरोप लगाया है. सरयू राय ने बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के द्वारा अर्जित संपत्ति की ईडी से जांच कराने की मांग के साथ उन नेताओं को भी ललकारा है और पूछा है कि उन्हें इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए कि पीएम नरेन्द्र मोदी की घोषणा की कसौटी पर भाजपा के ऐसे उम्मीदवार खरा उतरते है या नहीं ? इस मामले में बीजेपी में ढुल्लु समर्थक नेताओं को खरी खोटी सुनाते हुए सत्यता की जांच कराने का आग्रह भी किया है. साथ ही चुनौती देते हुए कहा कि आगे भी ढुल्लू के बेनामी संपत्ति के ब्यौरा को सार्वजनिक कर जल्द ही खुलासा करेंगे.

ढुलू महतो के सुपुत्र प्रशांत कुमार द्वारा खरीदी गई जमीन का ब्यौरा

भारतीय जनता पार्टी के धनबाद लोकसभा से घोषित प्रत्याशी ढुलू महतो के सुपुत्र प्रशांत कुमार के द्वारा खरीदी गई करीब 2.06 करोड़ रूपये के जमीन का ब्यौरा मैंने दिनांक 10 अप्रैल, 2024 को सार्वजनिक किया था। प्रशांत कुमार द्वारा इसके अतिरिक्त गोविंदपुर अंचल के तुमादाहा मौजा में खाता संख्या- 83, 97 और 110 के करीब 11 प्लॉट खरीदने का प्रमाण सामने आया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 01 एकड़ 49 डिसमील है। गोविंदपुर अंचल में जमीन खरीदने का सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम दर के अनुसार इन भूखंडों की कीमत 50 लाख रूपये से अधिक आंकी जा रही है। जमीन खरीद एवं म्यूटेशन तथा अंचल कार्यालय में दायर नामान्तरण मुकदमा संख्या 18905/2021-2022 तथा इस जमाबंदी में दिये गये लगान का ब्यौरा संलग्न है।

भाजपा के उन नेताओं को जो मेरा ज्ञान मुझे अपने पास ही रखने की सलाह दे रहे हैं, उन्हें इन विवरणों की वस्तुस्थिति और सत्यता की जाँच अपने सूत्रों से करा लेनी चाहिए। उसके बाद उन्हें इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा की कसौटी पर भाजपा के ऐसे उम्मीदवार खरा उतरते है या नहीं?

इसके अतिरिक्त मेरे पास भाजपा के इस घोषित उम्मीदवार और उनके परिवारजनों द्वारा खरीदी गई बड़ी संख्या में बेनामी अचल संपतियों और कंपनियों के नाम का विस्तृत ब्यौरा भी है। ये कंपनियाँ दो साल पूर्व दिवालिया होने के कगार पर पंहुच चुकी थी। इन कंपनियों में विगत 04 वर्षों में अकूत अचल संपति खरीदा गया है, जिसमें हार्ड कोक उद्योग, फ्लावर मिल आदि के भूखंड, निर्मित ढांचा एवं मशीनरी शामिल है। इनमें से कई भूखंड गोविंदपुर अंचल के तुमादाहा मौजा में ही स्थित है। ये कंपनियाँ अभी भी 'रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज' के दस्तावेज में सक्रिय दिख रही है और जीएसटी एवं आयकर का भुगतान भी कर रही हैं।

इन अचल परिसम्पतियों की कीमत उनके द्वारा कर देने योग्य कुल परिसम्पतियों के मूल्य की तुलना में काफी अधिक है। ऐसे व्यक्तियों और कंपनियों के बारे में प्राप्त सूचनाओं की मिलान अधिकारिक दस्तावेजों से करने के उपरांत मैं शीघ्र ही इसे भाजपा नेताओं की जानकारी के लिए सार्वजनिक करूंगा, ताकि वे नहीं चाहते हुए अपने ज्ञान में वृद्धि कर सके और उनका जमीर जग सके। ये मामले आय से अधिक सम्पति के ठोस उदाहरण है।

इधर सरयू राय के आरोपों पर बाघमारा विधायक सह बीजेपी के धनबाद लोक सभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने चुप्पी साध लिया है...और इस मामले में कोई भी प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है।

डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर के नेतृत्व में झरिया में लगभग 50 बूथों में निकली मतदाता जागरूकता रैली

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): अखिल भारतीय किन्नर समाज, झारखंड प्रदेश एवं डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर के नेतृत्व में मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में शत् प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के ध्येय को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई।

जागरूकता रैली कम मतदान प्रतिशत वाले 41 झरिया के वार्ड नंबर 36, 43, 44 एवं 45 में पड़ने वाले लगभग 50 बूथों से गुजरते हुए वहां के मतदाताओं को 25 मई को धनबाद लोकसभा चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सशक्त लोकतंत्र का निर्माण करने हेतु प्रेरित किया।

रैली के दौरान डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर ने आम मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने निर्वाचन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु मतदान के दिन अपने अपने मत का प्रयोग करने हेतु सभी से अपील किया। इस दौरान स्वीप पंपलेट, हैंडबील आदि वितरित किए गए।

मौके पर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, झरिया अंचलाधिकारी सुमन प्रसाद, अखिल भारतीय किन्नर समाज झारखंड प्रदेश के सभी प्रतिनिधि, जिला आइकॉन श्वेता किन्नर समेत आम नागरिक मौजूद रहे।

16 अप्रैल दोपहर 2:00 बजे से 18 अप्रैल के सुबह 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): राम नवमी को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) श्रीमती हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी ज़ोन में बाटा है। सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे।

राम नवमी के अवसर पर जिला नियंत्रण कक्ष 16 अप्रैल के दोपहर 2:00 बजे से 18 अप्रैल के सुबह 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी श्री उदय रजक जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311217 व 100 है।

जिला नियंत्रण कक्ष में 21 पदाधिकारी व 18 कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जो 16 अप्रैल के दोपहर 2 बजे से 18 अप्रैल के सुबह 6:00 बजे तक तीन शिफ्ट में मौजूद रहेंगे।

सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धर्माबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी में पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे।

संयुक्त आदेश में अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक क्ष, थाना प्रभारी, साइबर थाना को सोशल मीडिया व विभिन्न तरह के व्हाट्सएप ग्रुप इत्यादि पर लगातार नजर रखने का भी निर्देश है। इसके अलावा साफ सफाई व स्वच्छता एवं निर्बाध रूप से विद्युत व पेयजल आपूर्ति करने का आदेश है।

सम्मानित किया गया ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स को समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स टीम को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सामाजिक कार्य और लगातार समाज के प्रति कुछ अच्छा करने की कोशिश को देखते ह्यूमैनिटी टीम के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल एवं टीम को सर्वमंगला पब्लिक स्कूल में आयोजित समाजसेवी सम्मान समारोह में आमंत्रित कर डॉ. सर्वमंगला प्रसाद एवं सर्वमंगला ग्रुप के द्वारा सम्मानित किया गया। जहाँ मोके पर सर्वमंगला पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष डॉ. हरदेव प्रसाद, चेयरमैन ई. महेंद्र प्रसाद, प्रिंसिपल डॉ. प्रभा सक्सेना, प्रबंधक प्रकाश कुमार, दिलीप कुमार, मृतुंजय कुमार मंडल, ह्यूमैनिटी टीम के केंद्रीय सदस्य जॉन स्मिथ, अमित रवानी, राकेश कुमार, भजन मंडल एवं अन्य मौजूद थे।

चड़क पूजा में दिखा भगवान शिव के प्रति भक्ति और उल्लास

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): शिव भक्ति में लीन होकर शिवभक्त अपने शरीर पर कील चुभोकर भगवान शिव के प्रति आस्था और विश्वास का परिचय दिए। यह नजारा था मनईटांड़ शिव मंदिर परिसर में चड़क पूजा के दौरान। मेला में मुख्य रूप से धनबाद विधायक राज सिन्हा, गिरिडीह सांसद प्रत्यासी जयराम महतो उपस्थित हुए। आस्था, विश्वास व भक्ति का उल्लास के साथ श्रद्धालु चड़क पूजा व मेला में शामिल होकर उत्साह से मनाए। जिले में प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह में कड़ाके की धूप में श्रद्धा व उत्साह के साथ शिव भक्ति में लीन होकर मनाएं। समिति के कोषाध्यक्ष सप्पू महतो ने बताया कि श्रीश्री चड़क पूजा समिति की ओर से 100 वर्षों से अधिक समय से पूजा का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व में छोटे स्तर पर पूजा आयोजन की जाती थी। अब भव्य तरीके से आयोजन किया जाता है। चड़क पूजा में प्रत्येक शिव भक्तों के साथ उनके घर के महिला सदस्य भी तीन दिन तक उपवास रखी। शिवभक्त शरीर में कील चुभोकर भोक्ता खूंटा में धूमकर उतर नहीं जाते तब तक महिलाएं सिर पर कलश लेकर खूंटा के ईद गीद खड़ी रही। शिवभक्त भोक्ता खूंटा में घूमने के बाद महिलाएं श्रद्धालु आम के पत्ते से उनके शरीर पर जल छिड़की।

ब्राह्मण समाज ने ददई दुबे को धनबाद से टिकट देने की मांग की

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने कांग्रेस से यह मांग की है कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वह अपना प्रत्याशी चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे को ही बनाए।इस मांग का निर्णय संगठन ने न्यू मुरली नगर में सोमवार को आयोजित एक बैठक में ली। उन्होंने कहा की चंद्रशेखर दुबे एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं जिन्होंने न केवल अपना समाज बल्कि पूरे संसदीय क्षेत्र की जन समस्याओं को सदन तक पहुंचाया था एक बार फिर मौका मिला है पार्टी वैसे क्रमठ नेता को ही धनबाद संसदीय क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी दे। बताया गया की धनबाद में 4,50,000 ब्राह्मणों का वोट है जो पूरी तरह से उनके पक्ष में जाएगा। मौके पर दीनानाथ दुबे, विनय उपाध्याय, विकास ओझा, कैलाश दुबे, एस पाठक, मनोज मिश्रा, सहदेव तिवारी, तपन ओझा, उत्तम चक्रवर्ती दिवाकर पाठक बीके झा राजदेव पांडेय, महादेव चक्रवर्ती तथा मधुसूदन चक्रवर्ती समेत अन्य शामिल थें।

मॉल के संचालक एवं कर्मियों ने मतदाता जागरूकता के तहत ली मतदान करने की शपथ

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त धनबाद सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार आसान्न लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त आज दिनांक 15 अप्रैल 2024 को जिला के प्रभातम मॉल में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।

इसी दौरान प्रभातम मॉल के सभी संचालकों, कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों एवं मॉल में आये लोगों के बीच इस कार्यशाला में जागरूकता कार्यक्रम कर मतदाता सूची में निबंध की प्रक्रिया से अवगत कराया गया एवं वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कराया गया।

आगामी लोक सभा आम चुनाव 2024 में सभी लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई।

साथ ही वोटर अवेयरनेस फोरम के सदस्यों को मतदाता जागरूकता के विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। आज के कार्यशाला में नोडल पदाधिकारी द्वारा सभी कर्मचारियों को मतदाता प्रतिज्ञा भी दिलाई गई।

इस कार्यक्रम में प्रभातम मॉल के विभिन्न प्रतिष्ठानों के संचालक, कर्मचारी, आम नागरिक समेत अन्य उपस्थित थें।

धनबाद विधानसभा स्तरीय मासस एंव मायुमो की बैठक संपन्न

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): सोमवार को धनबाद विधानसभा क्षेत्र मासस एंव मायुमो की संयुक्त कार्यकर्ताओं की एक बैठक नरेश पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन मायुमो जिला सचिव राणा चटराज ने की। बैठक में मुख्य रूप से मासस धनबाद लोकसभा प्रत्याशी जगदीश रवानी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए मासस प्रत्याशी जगदीश रवानी ने कहा कि आज देश को भाजपा एक नई गुलामी की ओर ले जा रहा है। देश के तमाम संपदा एवं सार्वजनिक उद्योगों को कॉरपोरेट कंपनी के हवाले करने के साथ-साथ यहां की संपदा को लूटने की खुली छूट दे रखी है। आज झारखंड को भी नए रूप से शोषण का जरिया बना रहा है। आज देश में सबसे बड़ी समस्या महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी है। जिसका निदान भाजपा के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि आज कोयलांचल में चाहे माफिया शक्ति हो या लुटेरा, रंगदार हर प्रकार के शोषण के खिलाफ मासस और लाल झंडा लड़ते आयी हैं। ये चुनाव देश के साथ -साथ कोयलांचल की भविष्य निर्भर करता है। इसलिए आम जनता, मजदूर-किसान से आह्वान है कि मासस को अपना व्यापक मतदान देकर सही जनप्रतिनिधि संसद में भेजने का काम करें। जो यहां की मजदूर किसान, छात्र, नौजवान, आम गरीबों की आवाज बनेगी। मुझे विश्वास है की, इस बार मासस एवं लाल झंडा भाजपा के विजय रथ को रोकेगी। बैठक में मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो, सुभाष चटर्जी, विजय पासवान, राकेश सिंह, ललिता देवी, संतोष रवानी, अरविंद तिवारी, मंटू रवानी, भोला ताम्रकार, सुरेश पासवान, राजकुमार रवानी, औरंगजेब खान, मोहम्मद अख्तर, अधिवक्ता कन्हैया कुमार, राजकुमार सिंह, सरफुद्दीन अंसारी, दिलीप भुईया, लालु राय, रियाज अंसारी आदि उपस्थित थे।

झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय में ईएलसी के छात्राओं द्वारा स्वीप अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): पूर्वी टुंडी क्षेत्र के मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में शत् प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के ध्येय को लेकर आज दिनांक 15/04/24 को पूर्वाह्न में विद्यालयों में गठित ईएलसी के छात्र छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली के दौरान आम मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करने की अपील की गई। स्वीप पंपलेट, हैंडबील वितरित किए गए। रैली में नोडल पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षक, प्रधानाध्यापक, स्वीप टीम सहित सभी ईएलसी सदस्य ने भाग लिया।

इसके अलावा झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय में ईएलसी के छात्राओं द्वारा स्वीप अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी छात्राओं ने स्लोगन, कविता लिखकर, ड्रॉइंग बनाकर लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया।

टाटा स्टील माइनिंग डिवीजन कार्यालय में वोटर अवेयरनेस फोरम की बैठक सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त धनबाद सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार आसान्न लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त टाटा स्टील माइनिंग डिवीजन कार्यालय में सुरक्षा ड्रिल के दौरान मतदाता जागरूकता को लेकर वोटर अवेयरनेस फोरम (वीएएफ) और ओरिएंटेशन की बैठक आयोजित की गई। इसी क्रम में टाटा स्टील माइनिंग डिवीजन कार्यालय के सभी पदाधिकारी कर्मचारी पर्यवेक्षकों के बीच इस कार्यशाला में जागरूकता कार्यक्रम कर मतदाता सूची में निबंध की प्रक्रिया से अवगत कराया गया एवं वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कराया गया। आगामी लोक सभा आम चुनाव 2024 में सभी कर्मचारियों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। साथ ही वोटर अवेयरनेस फोरम के सदस्यों को मतदाता जागरूकता के विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने का निर्देश दिया गया।

आज के कार्यशाला में नोडल पदाधिकारी द्वारा सभी कर्मचारियों को मतदाता प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। इस कार्यक्रम में टाटा स्टील माइनिंग डिवीजन कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी समेत अन्य उपस्थित थें।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

धनबाद एसएसपी व ग्रामीण एसपी अखाड़ा दल को दिए कई दिशा निर्देश

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (निरसा): देशभर में रामनवमी और चैत्र नवरात्रि की धूम है. गांव-गांव में अखाड़े की तैयारी चल रही है. पर्व को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट पर है. जगह-जगह सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं. निरसा एसडीपीओ लगातार क्षेत्रो में निकल कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे है।

रामनवमी का त्योहार पूरे जिले में धूमधाम से मनाया जाता है. सैकड़ों स्थानों पर अखाड़े स्थापित किये जाते हैं. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी अखाड़े का आयोजन किया जाता है. अष्टमी की रात से नवमी की सुबह तक और फिर नवमी की शाम से देर रात तक लोग अखाड़े में प्रदर्शन करते हैं. वहीं, विजयादशमी के दिन चैत्र नवरात्रि का विसर्जन भी होता है. इस दौरान हर जगह भारी भीड़ जमा हो जाती है. इस त्योहार को देखते हुए धनबाद जिला प्रशासन ने भी अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर ली है।

अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पहले से ही की जा रही है. वहीं, थाना स्तर से भी गश्ती तेज कर दी गयी है. इस बीच धनबाद एसएसपी एच पी जनार्धन व ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे है जिसके तहत निरसा व चिरकुंडा थाने पहुँच कर अखाड़ा दल को कई दिशा निर्देश दिए, उन्होंने पुलिस अधिकारियों और जवानों को ऐसे इलाकों में 24 घंटे तैनात रहने का निर्देश दिया.

इस दौरान उन्होंने अखाड़ा समितियों के पदाधिकारियों से भी बात की यह समझा गया कि रामनवमी में अखाड़े का रूट क्या है. कितनी भीड़ जुटती है. अखाड़े में किस प्रकार का प्रदर्शन होता है? एसएसपी ने समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि आग जैसे खेलों पर पूर्ण प्रतिबंध है. इस दौरान एसएसपी ने कहा जिन इलाकों से अखाड़ा गुजरता है, वहां से गुजरने वाले बिजली के तारों को भी देखा और जहां कोई कमी दिखी, उसे दुरुस्त कराने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने की बात कही. इस दौरान अन्य समुदाय के लोगों से भी बात की और कहा कि इस त्योहार को आपसी प्रेम के साथ संपन्न कराना है।

उधर, जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं. यह बैठक निरसा,चिरकुंडा सहित सभी ओपी एवं थाने में भी आयोजित किया जा चुका है जिसमे शांति समिति के सदस्यों, डीजे संचालकों, मुखिया व उनके प्रतिनिधियों, लाइसेंस धारियों व अन्य प्रबुद्ध लोगों के साथ लंबी बैठक की गयी और आवश्यक निर्देश दिये गये हैं।

शारदीय नवरात्रि माता का सातवां स्वरूप "माँ कालरात्रि"

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: मित्रों माँ दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गा पूजा के सातवें दिन माँ कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन 'सहस्रार' चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है।

देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से माता देवी- काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यू, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। रौद्री और धुमोरना देवी कालात्री के अन्य कम प्रसिद्ध नामों में हैं। माता ने रक्तबीज राक्षस का वध करने के लिए कालरात्रि का रूप धारण किया था देवी के इस रूप में सभी राक्षस, भूत, प्रेत, पिसाच और नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है, जो उनके आगमन से पलायन करते हैं। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। इनके तीन नेत्र हैं। ये तीनों नेत्र ब्रह्मांड के सदृश गोल हैं। इनसे विद्युत के समान चमकीली किरणें निःसृत होती रहती हैं। माँ की नासिका के श्वास-प्रश्वास से अग्नि की भयंकर ज्वालाएँ निकलती रहती हैं। इनका वाहन गर्दभ (गधा) है। ये ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वरमुद्रा से सभी को वर प्रदान करती हैं। दाहिनी तरफ का नीचे वाला हाथ अभयमुद्रा में है। बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का काँटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग (कटार) है।सिल्प प्रकाश में संदर्भित एक प्राचीन तांत्रिक पाठ, सौधिकागम, देवी कालरात्रि का वर्णन रात्रि के नियंत्रा रूप में किया गया है। सहस्रार चक्र में स्थित साधक का मन पूर्णतः माँ कालरात्रि के स्वरूप में अवस्थित रहता है। उनके साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य (सिद्धियों और निधियों विशेष रूप से ज्ञान, शक्ति और धन) का वह भागी हो जाता है। उसके समस्त पापों-विघ्नों का नाश हो जाता है और अक्षय पुण्य-लोकों की प्राप्ति होती है।

माँ कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत रौद्ररूप है, लेकिन ये सदैव शुभ फल ही देने वाली हैं। इसी कारण इनका एक नाम 'शुभंकारी' भी है। अतः इनसे भक्तों को किसी प्रकार भी भयभीत अथवा आतंकित होने की आवश्यकता नहीं है। माँ कालरात्रि दुष्टों का विनाश करने वाली हैं। दानव, दैत्य, राक्षस, भूत, प्रेत आदि इनके स्मरण मात्र से ही भयभीत होकर भाग जाते हैं। ये ग्रह-बाधाओं को भी दूर करने वाली हैं। इनके उपासकों को अग्नि-भय, जल-भय, जंतु-भय, शत्रु-भय, रात्रि-भय आदि कभी नहीं होते। इनकी कृपा से वह सर्वथा भय-मुक्त हो जाता है।

माँ कालरात्रि के स्वरूप-विग्रह को अपने हृदय में अवस्थित करके मनुष्य को एकनिष्ठ भाव से उपासना करनी चाहिए। यम, नियम, संयम का उसे पूर्ण पालन करना चाहिए। मन, वचन, काया की पवित्रता रखनी चाहिए। वे शुभंकारी देवी हैं। उनकी उपासना से होने वाले शुभों की गणना नहीं की जा सकती। हमें निरंतर उनका स्मरण, ध्यान और पूजा करना चाहिए।
माता कालरात्रि को गुड़ का भोग लगाना चाहिए।
नवरात्रि की सप्तमी के दिन माँ कालरात्रि की आराधना का विधान है। इनकी पूजा-अर्चना करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है व दुश्मनों का नाश होता है, तेज बढ़ता है। प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। माँ जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए इसे कंठस्थ कर नवरात्रि में सातवें दिन इसका जाप करना चाहिए।
या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
अर्थः हे माँ! सर्वत्र विराजमान और कालरात्रि के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है।
जय माता दी।

संजीव ठाकुर
चिंतक, लेखक, स्तंभकार
रायपुर छत्तीसगढ़

प्रतिभा नगर रक्षकों की

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: बचपन में जब खाना नहीं खाते थे मां डराती थी कि पुलिस को बुलाऊंगी और शरारत करने पर पुलिस उठाकर ले जाती है, पुलिस भूत आएगा इस तरह। ये सारी बातें तो मां, नानी दादी की हैं। अब तो तुमने बहुत कुछ सीखा होगा, उसके बारे में बताओ।

अब उसके बारे में क्या बताना। कुछ पुलिस वालों को आगा पीछा देखे बिना हर एक को अबे कहकर बुलाने की विशेष भाषा अधिकार होता है। बिना कारण के थप्पड़ मारने का हाथ का अधिकार होता है। सामान्य जन को जूते की नीचे दबाने का पैर का अधिकार होता है। अपने ऊपर के अधिकारियों का अपने ऊपर के आला अफसरों को पवित्र रूप से पूछने का भक्ति भाव तत्व होता है। जब सब कुछ नहीं होता तो भागने का ज्ञान तत्व जीवन में ज्यादा ही होता है। इस तरह सारी कलाओं का समुचित निर्वाह करना ही खाकी कला की निपुणता है।

जिन कामों की आदत नहीं होती है उनके बारे में पूछ कर अर्थहीन मानना यही है। जंग लगी बंदूकों की कार्यशैली पता न होने पर पुलिस को कुछ नहीं आया है या कुछ नहीं कर सकते हैं कहना, खुद के अज्ञान का प्रदर्शन है।

कुछ पुलिस वालों के दराजों में रुपयों की गड्डियां, जेब भर महंगे सेल फोन, हाथ भर अधिकार का अहंकार जब है तो उन्हें जंग लगी बंदूकों से क्या काम? फिर भी अब तो सारा कुछ स्मार्ट और फ्रेंडली पुलिसिंग ही तो है।

फ्रेंडली का मतलब पुराने दोस्तों की तरह गले मिलते हुए एक दूसरे के कंधे पर हाथ डाले आदर सत्कार करके भेजते हैं क्या?

और क्या? कुछ लोग हाथ आए हर एक व्यक्ति के बटुए से रुपए आपस में बांटने के बाद ही भेजते हैं। हमारे पुराने दोस्तों से हम इसी तरह का व्यवहार जो करते हैं। फ्रेंडली का मतलब वही है और हम किसी पर विश्वास करते हैं।

बहुत जरूरी काम पर जाते हुए लोगों को अचानक रोकना और उनकी गाड़ियों का कागज दस्तावेज मांगना भी स्मार्ट पुलिसिंग है?

सड़क पर कई लोग जा रहे हैं लेकिन कुछ एक लोगों को गाड़ियां रोकने का आदेश देकर तुरंत उनकी गाड़ी से चाबी खींच लेना, चोरों को भी मात देता काम है, कला है। इसे देखकर हमें कई चीजों को सीखना होगा। इसका अर्थ यह है कि जीवन में हर एक चीज पर ध्यान दिए बिना, कुछ विशेष चीजों पर ध्यान दें। यही दर्शन यही वेदांत इस काम में निहित है।

शराब खरीदने के लिए सड़क तक आती लोगों की लाइनें और सड़क पर गाड़ी खड़ी करके जनता को परेशान करते लोगों पर ध्यान दिए बिना गाड़ियों को एक लाइन से ड्रंक एंड ड्राइव जांच करना ही क्या पुलिस के कार्यकुशलता का प्रतीक है?

लेकिन शराबी जब शराब पीते हैं तभी मिलते हैं। इसका मतलब यह है कि समस्या हम तक आए, इससे पहले हम जागें और समस्या की जड़ों तक जाकर उसका निदान करें। यह संदेश इस कार्य में निहित है, हमें जानना चाहिए।

थानों में कंप्यूटर तो आ गए हैं लेकिन सड़क दुर्घटनाओं जमीन जायदाद के झगड़े, परिवार की समस्याओं में कुछ पुलिस वाले पंचायत करते हैं यह तो नहीं बदला?

इसमें भी कम खर्च में तुरंत न्याय का सूत्र काम करता है। इसे सारे विश्व को अपनाना चाहिए। शराबियों को कैसे पहचानें, गाड़ियां कैसे उठाकर ले जाएं, फौजदारी मामलों में पंचायत करके किस तरह बटवारा करें, गलती न करने वालों से कैसे गलती मनवाएं, बिना कोई संबंध के प्रकरणों में घुसकर किस तरह पैसे बटोरें, न्याय मांगती अभागन स्त्रियों के पीछे पड़ कर कैसे उन्हें परेशान करें, इन विषयों पर अगर परीक्षाएं ली जाएं तो कुछ पुलिस वाले मेरिट में पास होंगे और सौ में हजार अंक प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

सीटों के बंटवारे को लेकर क्या महाराष्ट्र में भाजपा से नाराज है शिंदे-अजित पवार

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: लोकसभा चुनावों को लेकर देश का सियासी तापमान आए दिन बढ़ता जा रहा है। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को ही होना है। जिसमें अब लगभग एक हफ्ते से भी कम का ही समय बाकी रह गया है। इसलिए राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा चुनावी प्रचार-प्रसार भी काफी तेज हो गया है। हर राजनीतिक दल के बड़े-बड़े चेहरे देश के कोने-कोने में जाकर अपने दल व अपने प्रत्याशी के लिए चुनावी जनसभाएं कर रहे हैं और अपने-अपने वादों से जनता को लुभाने का प्रयास कर रहे हैं। तो वहीं नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले और राजनीतिक बयानवाजी भी काफी तेज हो गई है।

इस बीच महाराष्ट्र में भी सियासी पारा हाई है। और प्रदेश की सियासत आए दिन एक नया रूप ले रही है। आए दिन हो रहे सियासी घटनाक्रम में बदलाव को देखते हुए प्रदेश में सभी राजनीतिक दल काफी सक्रिय हो गए हैं। लेकिन इस बीच प्रदेश के सत्ताधारी गठबंधन महायुति में अब तक सीट बंटवारे को लेकर आपसी सहमति नहीं बन पाई है। और अब तक गठबंधन में शामिल तीनों दल भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार की एनसीपी के बीच सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है। जबकि दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) के बीच सीटों की शेयरिंग हो चुकी है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि महायुति में नासिक लोकसभा सीट अजित पवार गुट की एनसीपी को मिलेगी, जबकि ठाणे लोकसभा सीटभाजपा ने मांगी है. शिवसेना इस बात से नाराज है किभाजपा और एनसीपी ने लोकसभा में उसके दो अहम सांसदों की सीट की मांग की है. इसलिए सीट आवंटन अभी तक पूरा नहीं हो सका है. मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि महागठबंधन में शामिल तीनों घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ दबाव की राजनीति कर रहे हैं.

देखा जा रहा है कि अभी तक महागठबंधन में सीटों के बंटवारे की गुत्थी सुलझ नहीं पाई है. महायुति अभी भी ठाणे, नासिक और सतारा सीटों पर एक-दूसरे पर दबाव बनाने की तकनीक का इस्तेमाल कर रही है.भाजपा ने मांग की है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की ठाणे की सीट दी जाए, जबकि अजित पवार की एनसीपी ने नासिक की सीट देने की मांग की है.

ये दोनों महत्वपूर्ण सीटें फिलहाल शिवसेना के पास हैं इसलिए शिवसेना ने इन दोनों सीटों पर अपना दावा छोड़ने से इनकार कर दिया है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा के बाद इस बात पर सहमति बनी कि नासिक की सीट एनसीपी को दी जाएगी. ऐसी संभावना है कि छगन भुजबल नासिक में एनसीपी की ओर से उम्मीदवार होंगे. हालांकि, अमित शाह से मुलाकात के करीब पंद्रह दिन बाद भी इस संबंध में कोई फैसला नहीं लिया गया है.

दूसरी ओर, ठाणे से भी शिवसेना के पदाधिकारियों ने दबाव के आगे न झुकते हुए ठाणे सीट भाजपा को देने से इनकार कर दिया है. एक तरफ एनसीपी सतारा सीटभाजपा के लिए छोड़ने को तैयार दिख रही है लेकिन इसके बदले में नासिक लोकसभा सीट की मांग की गई है. हालांकि नासिक सीट पर आश्वस्त होने के बाद भी उम्मीदवार घोषित करने की इजाजत नहीं मिलने पर एनसीपी ने नाराजगी जताई है.

दरअसल, महायुति में सीट बंटवारे पर पेंच इसलिए भी फंसा हुआ है क्योंकि गठबंधन में भाजपा अपना वर्चस्व चाहती है। यही वजह है कि भाजपा अपने सहयोगी दलों के लिए ज्यादा सीटें छोड़ने को तैयार ही नहीं हो रही है। तो वहीं सहयोगी दल शिवसेना शिंदे गुट व अजित पवार भी अपने-अपने लिए मनचाही सीटें चाह रहे हैं। दरअसल, शिवसेना और एनसीपी के बंटने के बाद अब इन दोनों की इच्छाएं पिछले चुनाव में जो सीटें संयुक्त शिवसेना व एनसीपी के पास थीं, उन्हें भी अपने पास लेने की है।

लेकिन भाजपा है कि वो इन सहयोगी दलों को वो सीटें देने को तैयार ही नहीं है। और न ही गठबंधन में ज्यादा सीटें देना चाह रही है। यही वजह है कि महायुति में अभी तक सीट बंटवारे को लेकर रैंच मची हुई है और तीनों दल किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सके हैं।

दरअसल, भाजपा व महायुति के दलों की ओर से ये तो कई दिनों से कहा जा रहा है कि सीट बंटवारा तय हो गया है सब कुछ ठीक है बस औपचारिक ऐलान होना बाकी है। लेकिन सवाल ये ही है कि आखिर ये औपचारिक ऐलान होगा कब ? क्या चुनाव होने के बाद औपचारिक ऐलान करने का इरादा है महायुति का? दरअसल, जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक, महायुति में कुछ सीटों को लेकर सभी दलों में रैंच मची हुई है। इसीलिए गठबंधन में अब तक सीट बंटावारे पर अंतिम मोहर नहीं लग पा रही है। यही वजह है कि कभी शिवसेना शिंदे गुट नाराज बताया जाता है। तो कभी अजित पवार सीट बंटवारे से नाखुश दिखाई पड़ते हैं। अब राजनीतिक गलियारों में ये चर्चा है कि महायुति में नासिक लोकसभा सीट अजित पवार गुट की एनसीपी को मिलेगी।

जबकि ठाणे लोकसभा सीट को भाजपा अपने पास रखना चाहती है।भाजपा ने ठाणे लोकसभा सीट की मांग भी की है। अब यही कारण है कि सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना इस बात से खासा नाराज चल रही है किभाजपा और एनसीपी ने लोकसभा में उसके दो अहम सांसदों की सीट की मांग की है। दरअसल, ठाणे और नासिक दोनों ही शिवसेना की काफी सॉलिड सीटें रही हैं। यही वजह है कि एकनाथ शिंदे इन दोनों ही सीटों को अपने पास रखना चाह रहे हैं। लेकिन अब जब दोनों में एक भी सीट उन्हें नहीं मिल रही है।

तो एकनाथ शिंदे और उनके नेता व कार्यकर्ता इस फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं बताए जा रहे हैं। इसलिए महायुति में सीट बंटवारा अभी तक पूरा नहीं हो पा रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स से ये भी जानकारी सामने आ रही है कि महायुति गठबंधन में शामिल तीनों घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ दबाव की राजनीति कर रहे हैं। क्योंकि तीनों ही अपनी-अपनी मनचाही सीटों की मांग कर रहे हैं। इसलिए अब तीनों दलों द्वारा एक-दूसरे पर दबाव बनाया जा रहा है।

यही कारण है कि महायुति में सीट बंटवारे की गुत्थी सुलझने का नाम ही नहीं ले रही है। और समय निकलता जा रहा है। महायुति में तीनों दल अभी भी ठाणे, नासिक और सतारा सीटों पर एक-दूसरे पर दबाव बनाने की तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं।भाजपा ने मांग की है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के अधिपत्य वाली ठाणे लोकसभा सीट भाजपा को दे दी जाए। जबकि अजित पवार की एनसीपी ने नासिक की सीट देने की मांग की है। ये दोनों महत्वपूर्ण सीटें फिलहाल शिवसेना के पास हैं। और शिवसेना इन दोनों ही सीटों को अपने पास से नहीं खोना चाहती। इसलिए शिवसेना ने इन दोनों सीटों पर अपना दावा छोड़ने से इनकार कर दिया है।

हालांकि, नासिक सीट पर आश्वस्त होने के बाद भी उम्मीदवार घोषित करने की इजाजत नहीं मिलने पर एनसीपी ने नाराजगी जताई है। एनसीपी का कहना है कि यदि आश्वासन के बाद भी नासिक सीट उपलब्ध नहीं होती है, तो हमारे पास सतारा लोकसभा क्षेत्र के लिए इच्छुक उम्मीदवार हैं और हम इस सीट से सतारा जिला सेंट्रल बैंक के अध्यक्ष नितिन पाटिल की उम्मीदवारी की घोषणा करेंगे।

यानी साफ है कि महायुति में महाभारत अभी भी जारी है। और तीनों दल एक-दूसरे पर दबाव बनाने की रणनीति अपना रहे हैं। हालांकि, गठबंधन का औपचारिक ऐलान होने से पहले ही महायुति में शामिल तीनों दल भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार की एनसीपी कुछ-कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार भी घोषित कर चुकी है। प्रदेश में लोकसभा की कुल 48 सीटों में से अभी तक महायुति गठबंधन सेभाजपा ने 24 उम्मीदवार घोषित किए हैं।

शिवसेना शिंदे गुट ने 10 उम्मीदवार घोषित किए हैं। जबकि अजित पवार की एनसीपी ने अब तक 5 प्रत्याशियों की घोषणा की है। यानी कुल मिलाकर महायुति गठबंधन से अब तक 48 में से 39 उम्मीदवार घोषित हो चुके हैं। और अब सिर्फ 9 सीटों पर उम्मीदवार घोषित करना बाकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,भाजपा का जिन सीटों पर चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है, उनमें सिंधुदुर्ग-रत्नागिरी, दक्षिण मुंबई, उत्तर मध्य मुंबई, पालघर, सातारा पर उम्मीदवार घोषित होने बाकी हैं।

वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना ठाणे, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद), मुंबई नार्थ वेस्ट पर उम्मीदवार घोषित कर सकती है। हालांकि, ठाणे लोकसभा सीट को लेकर भी पेंच फंसा हुआ है। जबकि अजित पवार एनसीपी गुट को महाराष्ट्र में 6 सीटें मिलने की संभावना है। उन्हें एक सीट लक्षद्वीप की भी मिल सकती है। बारामती, शीरूर, रायगढ़, धाराशिव, परभणी (एनसीपी अजित पवार पार्टी के कोटे से दो सीट सपोर्टेड राष्ट्रीय समाज पार्टी) लक्षद्वीप की सीट भी अजित पवार गूट को दी गई है।

फिलहाल महायुति में सीट बंटवारे पर महाभारत अभी भी जारी है। जबकि उम्मीदवारों की भी घोषणा दलों द्वारा की जा रही है। ऐसे में चुनाव बिल्कुल सिर पर होने के बाद भी सीट बंटवारा फाइनल न कर पाना भाजपा व पूरे सत्ता पक्ष के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन रहा है। क्योंकि वैसे भी महाराष्ट्र मेंभाजपा और उसके सहयोगी दलों की हालत काफी खराब है, अब देखना है आगे क्या होता है।इस देरी का फायदा उठाते हुए महाराष्ट्र में छोटे दलों ने अपना प्रचार तेज़ कर दिया है।

अशोक भाटिया

चुनाव में नवांकुरित नेताओं की पार्टटाइम सरगर्मी

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: इस लोकतंत्र में चुनाव आते ही ऐसा माहौल बन जाता है, जैसे कोई महापर्व आ गया हो। राजनीतिक दल जनता के बीच प्रतिनिधियों के माध्यम से पहुंचकर घोषणा पत्र की सौगात सौंप देते हैं। प्रत्याशी आने वाले समय में किए जाने वाले कार्यों के आश्वासन थौप देते हैं। इस समय चुनावी माहौल और मौसम का मिज़ाज दोनों गर्म है क्योंकि इस समय राजनीतिक दलों द्वारा प्रत्याशियों की धड़ाधड़ घोषणाएं हो रही है। राजनीतिक माहौल इतना गर्मा रहा है कि वातावरण का तापमान भी उसके आगे फीका लग रहा है। पार्टियां ताबड़तोड़ रैलियां, सभाएं और रोड शो के माध्यम से राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा रहे हैं। ऐसे में नवांकुरित नेताओं को अपनी प्रतिभा का जौहर दिखलाने और येन केन प्रकारेण अपनी सक्रिय और उत्प्रेरक भूमिका में आने का सुअवसर है। इस वक्त राजनीतिक चस्का इतना मधुमय होता है कि उसके आसपास मंडराने से भी लाभ पहुंचने का मर्म लगता है।

समय की नज़ाकत को देखते हुए इस राजनीतिक धमाचौकड़ी में कई अन्य व्यवसाय, व्यापार संचालन करने वाले भी कूदकर ऐसा धमाल मचाते हैं कि पैसों की रंगदारी, सेवकों की लोक लुभावनी भाषा- शैली, ताकतवरों का जोर अजमाइश, लच्छेदार संभाषणों की लपेट, अपने लंबे समय से निभाए जा रहे संपर्कों की बानगी लिए चुनाव को विशेष रंग देने में कोई कसर नहीं रखते हैं। लोगों पर यह बुखार इतना चढ़ता है कि वे खाना पीना और काम-धंधा भुलाकर राजनीतिक रसापान करने लगते हैं।

इस समय देश में गांव की चौपाल से लेकर, शहर के बाग-बगीचों तक जन सामान्य के समूह इकट्ठे होकर चर्चा करते हैं कि देश की बागडोर किन हाथों में सुरक्षित रहेगी और किसकी लुटिया डूबने वाली है। प्रत्याशियों का भविष्य तो तय होना ही है परंतु साथ-साथ कई लोगों को दिन में सपने दिखने लगते हैं। गली-मोहल्लों के ठोर-ठिकानों से लेकर चाय की गुमटियों और पान की दुकानों के साथ चाट पकौड़ी के ठेलों के आसपास, गन्ने के रस की मधुशाला पर राजनीतिक चर्चाओं का बाज़ार गर्म नज़र आता है। किसी भी पक्ष की पैरवी कर खुद को वकील समझने वाले चुनावी सरगर्मी को देखते हुए कदमताल करने लगते हैं। बरसाती कीड़े-पतंगों की तरह चुनावी मौसम में दिखने वाले तथाकथित जनसेवक और कई छूटभय्ये नेताओं की तो अपने इलाके में काम करवाने की जिद से हर दिन परेड निकलने लगती है।

इस वक्त जमाने में हर किसी को अपने परिवार के सुख, समृद्धि की चिंता लगी रहती है। ऐसे में लोगों की राजनीतिक रुचि मोहल्लेवासियों के दुःख-दर्दों की चिंता से ग्रसित लगती है। जहां बड़े नेताजी धर्म और अध्यात्म की बात करते हुए मंदिरों व संत-महंतों के चक्कर लगाते हैं, वही जनप्रतिनिधियों के मन में ईश्वर की पूजा अर्चना से जनता का दिल जीतने का फार्मूला अपनाया जाता है। गली मोहल्लों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा कपाट, राम कथा, भागवत कथा करवाकर छोटे नेता अपनी धर्म युक्त राजनीति से कद बढ़ाने में लग जाते हैं। हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता के लिए जीत-हार की जंग मैं जीतने का यह पैंतरा काफी काम आता है।
चुनाव समाप्ति के बाद नेताजी तो बदल ही जाएंगे परंतु बेमौसमी फसल की तरह पैदा होने वाले प्रचारकों, कार्यकर्ताओं के भविष्य का क्या होगा? यह विचारणीय पहलू बताता है कि चुनावों के बाद नेता भले ही कभी-कभार इलाके में दिखे लेकिन छुटभइयों की फौज अपना उल्लू सीधा करती रहेंगी। चुनाव के वक्त खुलने वाली इन छोटी-मोटी दुकानों में चहल-पहल लंबे समय तक चलेगी। इन कार्यकर्ताओं के लिए नेताजी को साधे रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। यदि नेताजी चुनकर कोई मलाईदार मंत्री पद हासिल कर लेते हैं तो कार्यकर्ताओं के भी वारे-न्यारे हो जाते हैं।

नेताजी दिल्ली पहुंचने ही जब तैयारी में हैं ही तो क्यों ना उनके साथ एक सेल्फी लेकर अपना सिक्का दोस्तों के बीच जमाने से चुकें। यह सोचकर कार्यकर्ताओं अपनी रंगदारी दिखाने का हर सार्थक प्रयास करते है। भीड़भाड में धक्का मुक्की करके सबको पीछे हटाते हुए खुद की फोटो खिंचवाना दूरंदेशी का परिचायक होता है। इसलिए लगे रहो मुन्ना भाई की तर्ज पर नेताजी संग फोटो के रूप में प्रमाणपत्र अर्जित कर लेना किसी सरकारी नौकरी को पा लेने जैसा सबब बन जाता है। व्हाट्सएप की डीपी पर उस फोटो को लगाकर सभी को इंप्रेस करने के काम तो बाद में होते ही रहते है। गली-मोहल्लों के फंक्शन के समय यह फोटो दिखाकर अपना रुतबा भी कायम किया जाता है। खुद के लिए चुनावी रणनीति में विजयी होने वाली पार्टी के प्रत्याशी के लिए काम करते हुए अपने लिए कम से कम इतने साधन जुटाना तो बनता है कि अगले पांच वर्ष तक पार्टी के समर्थक के रूप में पहचान बनी रहे और जोश मिजाजी से दुकानदारी चलती रहे।

डॉ. मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

चुनाव की रेलमपेल में चले जा रहे ठेलमठेल में चकभन्नाट....

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: प्रचंड गर्मी का तेज भी चुनावी जमात को डिगा नहीं सकता। तेजम तेजी है ये आ रहा वो जा रहा, सबकुछ हो रहा सनन में, दुरभन्नाट हां चकभन्नाट। गर्मी का पारा चढ़ता है। इसका भी मौसम होता है। महंगाई का ताव बारहों महीने चढ़ता है। बेरोज़गारी, गरीबी हमेशा असहाय हो जाती है जब दीगर मुद्दे अनाप-शनाप होते हैं। आज के दौर में ताज़े मुद्दे मुद्दे होते हैं। इनकी जुगाली करना होती है। लांछन-चरित्रहनन की मार होती हैं। व्यंग्यबाणों की बौछार होती हैं। आरोप-प्रत्यारोपों के बीच स्कैम चलते हैं। सोशल मीडिया वर्क में गंध फैलाते वीडियो भी तोड़-मरोड़ का हिस्सा बन जाते हैं। यह आफत लीला के बीच चुनावी शगल चकभन्नाट चलता हैं। जो तेरे पास बचा वो तेरा, जो मेरे पास समाया वो मेरा, क्या रे, अपने को समेट नहीं तो बिखर जायेगा बसेरा तेरा।

चुनाव नजदीक है तो पार्टियों से नजदीकियां बढ़ा ली, थोड़ी सी ज्यादा ही दिमाग पर चढ़ा ली। सब राजा रंक बने फिर रहे हैं जो रंक थे स्वयं को राजा समझ आसमान में उड़ रहे हैं। कार्यकर्ताओं का महत्व बढ़ गया है, मौसम है चुनाव का वो भी चहक रहे हैं। जोश-ए-जवानी भरपूर है। नेताओं के दफ्तर संवारें गये हैं। बड़ी आकर्षक सजावट की गई है। भर गर्मी में शीतल पेय व ठंडाई भी दी जा रही है। झंडे-पोस्टर, होर्डिंग-बैनर, कट-आउट तैयार है। आचार संहिता का पालन हो, प्रशासन की दरकार है। नेताओं की सोशल मीडिया पर सक्रियता की भरमार हो गई। सारा माहौल सनन में सक्रिय हैं सारे कार्यकर्ता, छोटे से लेकर बड़े नेता यहां वहां चौपाल जमा रहे हैं। चुनावी माहौल विविध रंगी हो रहा है। फायदेमंद को पूछा जा रहा है और नुकसानदाता से पीछा छुड़ाया जा रहा है।

गरीब पर गरीबी हावी है, अमीर ऐश कर रहा है, नेतागण मस्त मगन है चुनाव में, बेरोजगार काम-धंधा, नौकरी ढूंढ रहा है। किसी बात की कमी नहीं हैं जिसके पास जो है धन-दौलत, ज़हालत, जलालत, काम-धंधे की कमी पेशी, समस्याओं का ढेर वह सब भरपूर है। चुनाव की रेलमपेल में चले जा रहे ठेलमठेल में चकभन्नाट सारे के सारे सनन में, पूरी रफ्तार से हो रहे मजे में तिरभन्नाट, चुनाव का मजा लो, अपने प्रत्याशी की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत जो करनी है।

दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है और हम भी सनन में सत्ता की दौड़ में शामिल होते जा रहे हैं। चुनावी चर्चा में शामिल होते हैं, एक-दूसरे से क्या माहौल है, कैसा, किसके पक्ष में माहौल है, पूछताछ बयानी करते हैं, दीगर भी यही कर रहे हैं। दिमाग में माहौल बना हुआ है। हमारा नेता कैसा हो, जीतेगा भई जीतेगा, चवन्नी तो नहीं बोल सकते, चलनी बंद हो गई, छोटे सिक्के का दौर खत्म हो गया। आपके जेहन में भी चुनाव का धुआं - गुबार चल रहा होगा। ऐसा मैं क्यों पूंछू वह तो चल ही रहा है, हर जनता जनार्दन में अंदर ही अंदर सिगड़ी में कोयले जल ही रहे हैं। सनन में माहौल चुनाव का ही चल रहा है। अपनी भड़ास निकाल कर कहीं भी डाल सकते हैं।

अपने-अपने दल की वकालत करते, प्रसंशा करते सभी और दूसरे दलों में कमी पेशी, आलोचना की दरार डालते चुनावी महारथी ना तो खुद चैन से सोते ना सोने देते, इलैक्ट्रोनिक व पत्र मीडिया में जोरों दमखम करते, उनकी चीख-पों में शामिल होते-टांग अड़ाते बिंदास नजर आते लोग, उनकी गुफ्तगू, झकल्लस, झुंझलाहट भरती की क्यों ना चैनल बंद कर चैन की सांस ले लें। मगर अनेक तरह की भौं-भौं सुनकर सपने में भी ये लड़ाई से रूबरू हो जाते हैं। सबकी मलामत करते हुए कुत्ताफजीती के समान दृश्य उभरते हैं तो मन को बड़ा ही दुख होता हैं। बार-बार हाथापाई, जुतमपैजार के दृश्य मन को विचलित कर देते हैं। लोकतंत्र को शर्मशार करते लोग जरा भी पसंद नहीं आते, हमको।

हम लाजवाब हैं, क्यों समस्याएं घटती नहीं, क्यों अपराध रूकते नहीं, क्यों रिश्वतखोरी हैं, क्यों भ्रष्टाचार पनप रहा, क्यों सरकारी व जनता की सेवा करने की प्रवृत्ति धंधा समान बन गई। इंसानियत की कद्र नहीं। राजनीति अब शुचिता नहीं रही। समाज की सेवा नहीं। ईमानदारी को जगह नहीं। जोड़-तोड़, छद्मावरण को पूजते राजनेता। वो समय था पैदल, साईकिल, बैलगाड़ी, रनगाड़े पर सवार होकर अपना प्रचार प्रसार करके जनता के रूपयों से चंदा करके दस-बीस-तीस-चालीस हजार रुपयों में आमचुनाव लड़ते साठ-सत्तर के दशक में चुनाव प्रत्याशी जबकि आज चुनाव का स्तर आसमान छू रहा, आज का चुनाव जोड़-तोड़, हथकंडे आजमाने वाले बाहुबली, धनवान, दबंगई करने वालों लोगों की बिसात को हावी रखता है। जो ये सब साधन साथ रखता है वह सनन में चुनावी राजनीति की नैया पार लगाता है।

सनन में माहौल चुनाव का ही चल रहा है। अपनी भड़ास निकाल कर कहीं भी नहीं डाल सकते हां, इसे मन में ही सिकोड़ कर समाये रखना होगा। क्योंकि चुनावी संहिता का पालन जो करना है।

मदन वर्मा "माणिक"
इंदौर, मध्यप्रदेश

चुनाव के अतरंगी मौसम में अपनी गोठ बिठाने में लगे नेता जी

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: यह चुनाव का लोकतांत्रिक महामहोत्सव पर्व है मौसम है चुनाव का नेता जी के कई रंग दिखाई देंगे अमीर लोग भी गरीब से जुड़ेंगे। लगता है नेता जी चुनावी समर में घोषणाओं का पिटारा खुलेगा। घोषणा व वचन पत्र के सहारे क्या फिर नाईया पार लगेगी? अब जनता भोली भाली नहीं रही वह शिक्षित व समझदार हो गई है। फिर उन्हें लुभाना आसान नहीं है। लोकसभा का यह चुनाव भारत के संविधान की मजबूत डोर है। इसलिए जनता को भी अपने फर्ज को निभाना होगा। अपना बहुमूल्य वोट देकर अपने आदर्श व विकास पुरुष ओर काम करने वाले नेता जी को जितना ही होगा। हम जनसेवक जनप्रतिनिधियों पर नजर डालें तो वह अपने अपने क्षेत्र में संतरगी हो रहें हैं। लोगों को लुभाने के लिए कभी नुक्कड़ पर चाय बनाते हैं कभी खेतों में किसानों के साथ गेहूं कटाते है। उनके यह अतरंगी रंग का खेला देखने से असली नक़ली के लिए माथापच्ची करनी पड़ती है। तरह तरह के नेताओं के रंग देखकर दिमाग का दही बन जाता है। यह चुनावी मौसम में सोशल मीडिया टेलीविजन न्यूज चैनलों अखबारों में देखकर वारंटी या गारंटी लोगों के मन में सिक्का जमाने के लिए यह बड़ा दिलचस्प चुनावी दौर रहता है। जनता अब जनार्दन बन गई है वहीं यह नेताजी उन्हें पटियाने आ गये एक अदा कुर्सी सुख के लिए बहुत दौड भाग करने में लगे हुए हैं। आमसभा में पार्टी की ताकत दिखाने के लिए वादों का पिटारा भी खोलते हैं और रोड़ शो में स्टार प्रचारकों की धूम से लोगों के दिलों में जगह बनाने का प्रयास करते हैं। शहर गांव कस्बे के हित में वह बोलते देश के लिए भविष्य की योजनाओं पर उनके कार्य को गति मिलेगी या नहीं? हम वोट की चोट से जवाब देने की बात करते हैं। चुनाव के इस चकलस में सत्ता पक्ष विपक्ष सभी अपनी अपनी गोठ बिठाने में लगे हैं। एक दूसरे के धूरविरोधी भी एक हो रहे हैं मिलनसार बन कर गठबंधन बना कर सत्ता की चाबी पाने की चेष्टा में सब एकजुट हो गए हैं। विचारधाराओं की यह लड़ाई में राजनीतिक मर्म कहा और कैसे पहुंच पायेगा। चुनाव का यह समय राजनेताओं से क्या क्या करवाते है सत्ता की चाह में वह सियासत का सफर ना जाने कब खत्म होगा। लगता है वोट के लिए अभी और परिक्षम करना पड़ेगा नेता जी को जनता के करीब जाने के लिए जनसंपर्क करना ही होगा।

हरिहर सिंह चौहान
इन्दौर मध्यप्रदेश

भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर गोपाल किरण संस्था द्वारा सेमिनार व अवार्ड समारोह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (बिलासपुर, छत्तीसगढ़): मध्यप्रदेश की समाजसेवी संस्था गोपाल किरण की ओर से पहली बार छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में शोध सेमिनार व अवार्ड समारोह का आयोजन शासकीय जेपी वर्मा कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष श्रीप्रकाश सिंह निमराजे, सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक व साहित्यकार राजेंद्र रंजन गायकवाड, जेपी वर्मा कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर एस एल निराला, अनिता प्रभा मिंज डीएसपी बिलासपुर, डॉक्टर जीसी भारद्वाज शासकीय लक्ष्मणेश्वर कॉलेज खरौद, जांजगीर-चांपा, डॉ गिरधारी अग्रवाल, कुल सचिव थावे विवि, बिहार, परियोजना अधिकारी जितेंद्र पाटले विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर राजेंद्र रंजन गायकवाड ने कहा कि समाज की तरक्की में गैर सरकारी संगठन महती भूमिका निभाकर बाबा साहेब अम्बेडकर के सपनों का भारत बना सकते हैं।

डॉ निराला और श्रीप्रकाश सिंह निमराजे ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि एसआर कुर्रे (सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर), एमआर चेलक (सेनि अपर कलेक्टर प्रभाकर ग्वाल (पूर्व सीबीआई मजिस्ट्रेट) आदि ने संविधान की महत्ता पर अमूल्य विचार रखे। सेमिनार के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया फिर संविधान की प्रस्तावना का वाचन जलेश्वरी द्वारा कराया गया। संस्था के अध्यक्ष श्रीप्रकाश सिंह निमराजे ने बताया कि संस्था सशक्त क्षमता मूलक समाज की स्थापना के लिए कार्यरत है। संस्था द्वारा लगातार विभिन्न तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य समाज के वंचित लोगों को अवसर देने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारे देश का संविधान सर्वोच्च पवित्र ग्रंथ है इसका अध्ययन सबको करना चाहिए। इस अवसर पर संविधान जनक डॉ बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय एवं राजकीय कला संस्कृति पुस्तक का विमोचन भी किया गया। साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं द्वारा सुंदर छत्तीसगढ़ी डांस की प्रस्तुति की।

इस अवसर पर अवॉर्ड भी प्रदान किए गए जिनमे सिंबल ऑफ नॉलेज, भारतरत्न बाबा साहेब डॉ.बी.आर. अंबेडकर लाइफ टाइम इंटरनेशनल आईकॉन अवॉर्ड: राजेंद्र रंजन गायकवाड, (से. नि. जेल अधीक्षक, साहित्यकार, सामाजिक चिंतक), प्रो.डॉ.एस.एल.निराला, प्राचार्य, जेपी वर्मा कॉलेज बिलासपुर, गुरु घासीदास लाइफ टाइम साहित्यक सामाजिक शिरोमणी रत्न अवार्ड मणि प्रभा त्रिपाठी, सारंगढ़, रायगढ़, अवार्ड बिलासपुर हेतु रवि हरिदास कानेकर (मनचला) अंबाझरी, नागपुर, गयाराम ध्रुव, तरसींवा, धमतरी, संध्या चंद्रसेन व मनीषा सैमूएल, विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी बिलासपुर छग, प्रो.सुजाता मैनवाल, मेरठ कॉलेज, मेरठ, डॉ.माया एसएच, पुणे, शिवकुमार छत्रवाणी, सिलदाह, कोटा, बिलासपुर, पी.यादव 'ओज', झारसुगुड़ा, डा.प्रसाद आदित्य, (से. नि.), प्राचार्या, जांजगीर चांपा, डॉ. मीरा पुष्पांजलि, एसोसिएट प्रोफेसर, जमशेदपुर, डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती जफराबाद, देसरी, वैशाली, बिहार, प्रो.बालेश्वर राम, चतरा (झारखंड), रामनारायण मेहर, मालवा मध्य प्रदेश सहित देशभर से आए 46 शिक्षाविदों और समाज सेवियों को सम्मानित किया गया।

संस्था से जुड़े मुंबई के शिक्षक यादव, भोपाल, ग्वालियर, बिहार के कुलपति अग्रवाल संध्या चंद्रसेन, मनीषा सैमूएल, पिंकी सिंह और मंजुलता मेरसा का सहयोग रहा। इस अवसर पर गरिमा सिंह, नवजीत सिंह, राजुकमार यादव, (मुबई) मंजुलता मेसरा, डॉ. राधा सुनील कुमार, भोपाल, जितेन्द्र कुमार गौर, देवास आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

फिल्मी दुनिया का सुना-अनसुना एक दिलचस्प किस्सा

ग़म उठाने के लिए मैं तो जिए जाउंगा और महान मोहम्मद रफी

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: यह किस्सा फिल्म राजकुमार, जितेन्द्र तथा माला सिन्हा द्वारा अभिनीत फिल्म 'मेरे हुजूर' से संबंधित है। यह फिल्म सन् १९६८ में आई थी और बड़ी हिट साबित हुई थी। कह सकते हैं कि इस फिल्म के हिट होने के पीछे कारण था शंकर जयकिशन का ज़ोरदार संगीत और बेहतरीन गीत, जिन्हें महान रफी, मन्ना डे, लता मंगेशकर ने स्वर दिया था। साथ में अभिनेता राजकुमार का जबरदस्त अभिनय और संवाद अदायगी उस वक्त सिने प्रेमियों के सर चढ़कर बोलता था। इन सबने फिल्म को सिल्वर जुबली हिट बना दिया था।

उन दिनों फिल्मों की सफलता को हिट फ्लाप से अधिक सिल्वर जुबली, गोल्डन जुबली से आंका जाता था। फिल्म के सारे गीत- जैसे 'रुख से जरा नकाब उठा दो...', 'अल्ला अल्ला वो ले गए चांदी छल्ला...,' 'जो गुज़र रही है मुझ पर...', 'क्या-क्या न सहे हमने सितम...', 'झनक झनक तोरी बाजे पायलिया...' जैसे गीत आज भी श्रोताओं के दिलों दिमाग पर तरोताजा हैं।

किस्सा फिल्म के आखिरी गीत 'ग़म उठाने के लिए मैं तो जिए जाउंगा...' से जुड़ा है। फिल्म में संगीत शंकर जयकिशन का था। और गीत लिखे थे हसरत जयपुरी ने। फिल्म में कुल सात गीत थे। सभी गीत बहुत ही सुरीले और कर्णप्रिय थे, जो काफी लोकप्रिय हुए थे और फिल्म 'मेरे हुजूर' की सफलता में अच्छा योगदान दिया था। कह सकते हैं कि फिल्म को हिट कर दिया था।

मन्ना डे का गाया शास्त्रीय धुन पर आधारित गीत 'झनक झनक तोरी बाजी पायलिया...' और 'रुख से जरा नकाब उठा दो मेरे हुजूर...' इन गीतों की ताजगी और लोकप्रियता आज भी बरकरार है। यहां मैं जिस विशेष गीत की चर्चा करना चाह रहा हूं उस गीत के बोल हैं- 'गम उठाने के लिए मैं तो जिए जाऊंगा...'। यह गीत महान रफी ने ऊंचे स्वर में गाया है, गीत के आखिरी अंतरे में ऊंचे से ऊंचे स्वर लगातार लगाते हैं, ऊंचा और ऊंचा लगाते वे एक पंक्ति 'मैं तो जिए जाऊंगा' लगातार तीन बार दोहराते हैं, वे चाहते तो और दो बार उस पंक्ति को गा सकते थे, पर सिर्फ तीन बार 'मैं तो जिए जाऊंगा' गाकर गीत का समापन कर देते हैं।

इस तरह संगीतकार शंकर जयकिशन ने जिस ऊंचाई तक गाने के लिए रफी साहब को निर्देश दिया था, उसके पहले ही वे गीत को सुंदर तरीके से समापन कर देते हैं। रफी साहब से इस संबंध में जब पूछा गया तो वे अपने चिर- परिचित अंदाज में बोले, "नहीं जी, अगर इससे ऊंचे सुर में मैंने गाना रिकार्ड कर भी दिया तो हीरो को वैसा ही गाते हुए अभिनय करने में दिक्कत पेश आएगी और वे वैसा करने का अभिनय भी करेंगे तो असहज लगेंगे, अभिनय में स्वाभाविकता नहीं आ पाएगी।"

तो ऐसे थे महान रफी साहब। अपने काम के प्रति वे कितना समर्पित थे। वे कहां तक सोंच सकते थे। कोई और उस सोंच के आसपास भी फटक नहीं सकता था। तभी तो तो वे महान थे। आवाज के बेताज बादशाह थे। सुरों के सरताज थे। तो ये था 'गम उठाने के लिए मैं तो जिए जाऊंगा...' का अद्भूत व दिलचस्प किस्सा। उम्मीद करता हूं अपनी बात मैं आपतक पहुंचा सका।आप सब व्यस्त रहें, स्वस्थ रहें और मस्त रहें धन्यवाद।

श्याम कुमार राई 'सलुवावाला'

बाबा उमाकान्त जी महाराज कि सरकार, विद्वानों से अपील- आयुर्वेद, प्राकृतिक जड़ी-बूटियों, नियम-संयम, सदाचारिता को दो बढ़ावा

आज विद्वानों, धार्मिक लोगों द्वारा बताने की जरूरत है कि शाकाहारिता से रोग नहीं आते

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (उज्जैन/ म.प्र.): इस समय के पूरे समर्थ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि नियम के अनुसार जो काम करता है, वह नियमित होता है। अनियमित वो जो नियम से काम नहीं करता जैसे सुबह देर से उठना। वह अपने स्वास्थ्य के लिए ठीक काम नहीं करता है। और जो प्रातः काल ब्रह्ममुहूर्त में उठ गया, उसका स्वास्थ्य, दिल-दिमाग भी सही, ताजा रहता, भजन-ध्यान में मन लगता, शरीर में थकावट नहीं रहती। उसका जो दैनिक नियम है, वो चलता रहता है, नियमित काम करता है। और जो देर से उठता है, जिसका खान-पान, आहार-विहार का समय सही नहीं है, उसके लिए अनियमितता हो जाती है, आदमी का जीवन अनियमित हो जाता है जिससे तकलीफें होती हैं। आजकल अनियमित जीवन हो गया।

शाकाहारिता से रोग नहीं आते

इस धर्म देश की पौराणिक कथाएं, धार्मिक कथाएं, इनके बारे में (आजकल) कोई बताता है? पहले जितने भी (धर्म प्रचारक) थे, सब शाकाहारी थे, सब शाकाहारी का प्रचार करते थे, शाकाहारी लोगों को बनाते थे। लेकिन आजकल कोई विद्वान है, धार्मिक अपने को मानता है, धर्म का प्रचार करता है, उसको यह बात बतानी चाहिए कि शाकाहारी जीवन बिताना चाहिए। शाकाहारिता से रोग नहीं आते हैं। मदहोश कर देने वाली चीज शरीर के सिस्टम को बिगाड़ देती हैं। जो शराब पी लेते, नशे की गोलियां खाते, नशे वाली जड़ी-बूटियां खाते, उनके शरीर के सिस्टम में तेजी आ जाती है। नींद आने वाली चीजें भी इसी प्रकृति में है। जो आदमी होश में नहीं रह जाता, वही तो नींद होती है। वही जब इस्तेमाल कर लेते हैं, होश में नहीं रह जाता तो गिर जाते हैं। शराब गांजा अफीम भांग के नशे में गिर गए, हाथ-पैर तक टूट जा रहा है। इनको बताने समझने की जरूरत है। यह चीज मनुष्य के लिए नुकसानदेह है। अगर यही आदत बनी रही तो यह रोग ज्यादा फैल जाएगा। रोग ज्यादा हो जाने पर दवा भी कम फायदा करती है क्योंकि दवा खाते-खाते खुराक बन जाता है। फिर दूसरी, तीसरी दवा खोजनी पड़ती है। यह जड़ी-बूटियां, आयुर्वेद है, इसको लोग भूलते चले जा रहे हैं क्योंकि समय लोगों के पास नहीं है।

काम, औरत, बच्चों धन दौलत के पीछे कितना रिस्क ले रहा है आदमी

अभी यह कह दिया जाए की मौत तुम्हारे सामने खड़ी है, मौत को क्यों दावत दे रहे हो, उधर क्यों जा रहे हो तो भी आदमी नहीं मानता है। अपने काम, बच्चे, औरत, धन-दौलत के लिए कितना रिस्क ले रहा है आदमी, मौत को भी भूल जा रहा है। आज विद्वानों, लोगों, आयुर्वेद वालों, सरकारों को चाहिए कि इनको बढ़ाया जाए, इसका ज्ञान कराया जाए, लोगों को बताया जाए, नियम-संयम लोगों को सिखाया जाए। जो प्रकृति ने दिया, ऋषि मुनियों, जानकारों ने बताया है उसको बताया जाए।

स्वस्थ शरीर व सुखी जीवन का फार्मूला

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सरल तरीका यह है कि नियम-संयम समय से रहना, समय से खाना, उठना, शाकाहारी भोजन खाना, (भूख से) थोड़ा कम खाना। टेंशन न हो, पैसा ज्यादा खर्च न हो, परेशानी न हो, दौड़-धूप ज्यादा न करनी पड़े उसके लिए लड़ाई, झगड़ा-झंझट को हटाना, दूर रखना, यह सब सुखी जीवन की चीज हैं।

पूर्व रेलवे मालदा मंडल का जल सेवा अभियान

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: मालदा रेल मंडल के पहल पर स्वयंसेवी संस्था संजीवनी गंगा ने पीरपैंती रेलवे स्टेशन पर ट्रेन यात्रियों को बोतल बंद स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर उनकी प्यास बुझाने में मदद की।

इस पवित्र कार्य के लिय रेल यात्रियों ने सराहना की। संस्था ने चार ट्रेनों के लगभग छह सौ यात्रियों को पेय जल उपलब्ध कराया।

मौके पर पीरपैंती स्टेशन अधीक्षक अजय कुमार, अध्यक्ष अनुरंजीत कुमार, संयोजक किशोर कुणाल, सचिव मो० अयाज, अमित कटारूका, अजयव कुमार, कृष्ण बिहारी गर्ग, मनोज यादव, राजकुमार रजक, रंजीत पासवान सहित संस्था के अन्य सदस्य सम्मिलित हुए।

अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार डॉ. शम्भू पवार डॉ. अंबेडकर कीर्ति अवार्ड से सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (चिड़ावा): अखिल भारतीय मठ सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू द्वारा भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर जयंती पर डॉ.अंबेडकर कीर्ति अवार्ड समारोह 2024 का आयोजन किया गया।

कबीर मठ के महंत भारत भूषण डॉ.नानक दास महाराज के सानिध्य में नागोर के फरडोद ग्राम में आयोजित समारोह में चिड़ावा के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिनाम लेखक, पत्रकार, विचारक एवं धरा गवर्नर डॉ. शम्भू पंवार को डॉ. अंबेडकर कीर्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सूरत, गुजरात के कस्टम व सीजीसटी असिस्टेंट कमिश्नर डी. आर. रेवाला, अति विशिष्ट अतिथि धरा धाम इंटरनेशनल के प्रमुख एवम मानद कुलपति सौहार्द शिरोमणी डॉ. सौरभ, इसरो के वैज्ञानिक रवि कुमार वर्मा, पद्मश्री हिम्मत राम भांबू ने वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ.शंभू पंवार को एक कस्बे से पत्रकारिता शुरू कर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी सार्थक व सटीक लेखनी से अजा, जजा, निर्धन, असहाय, जरूरतमंद की आवाज को बुलंद करने एवम सामाजिक सरोकारों में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ.अंबेडकर कीर्ति अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. शंभू पंवार गत 38 वर्ष से पत्रकारिता व लेखन के क्षेत्र में कार्य कर रहे है। वैश्विक स्तर पर साहित्य, समाज सेवा,पर्यावरण, मानवीय सेवा, गौ सेवा के क्षेत्र में महती भूमिका निभा रहे है। इनको पूर्व में भी पत्रकारिता एवम सामाजिक सरोकारों के लिए अनेक राष्ट्रीय एवम अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड व उपाधियों से नवाजा जा चुका है। डॉ.पंवार को देश विदेश से सामाजिक, साहित्यिक संस्थाओं एवम नामचीन साहित्यिक विभूतियों ने खुशी जाहिर करते हुवे, बधाई प्रेषित की है।

शिक्षाविद डॉ. निशा अग्रवाल की चार पुस्तके लोकार्पित

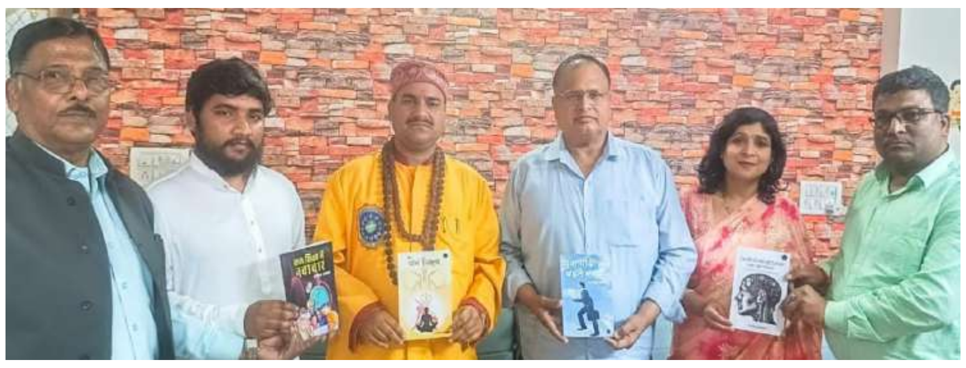

डॉ.शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (नई दिल्ली): ख्यातीनाम लेखिका, साहित्यकार एवम शिक्षाविद डॉ. निशा अग्रवाल की चार पुस्तके युवा पीढ़ी के बढ़ते कदम, बाल शिक्षा में नवाचार, मशीनों की बुद्धिमता: एक अध्ययन और योग शिक्षण का जयपुर में समारोह पूर्वक भव्य लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धरा धाम प्रमुख, मानद कलपति सौहार्द शिरोमणि संत डॉ सौरभ पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि के रूप में उर्दू पाठ्यक्रम समिति यूपी के सदस्य डॉ अहसान अहमद, निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. नीरज गुप्ता, विश्व रिकॉर्ड होल्डर एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रकार डॉ शंभू पंवार, समाज सेवी समीर पांडेय एवं सैयद सादान उपस्थित रहे। अतिथियों का मैंथलीशरण अग्रवाल ने साफा और माला पहना कर स्वागत किया। लेखिका डॉ.निशा अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में अपनी पुस्तक युवा पीढ़ी के बढ़ते कदम" के माध्यम से, हम युवा पीढ़ी के साथ संवाद को बढ़ावा देते हैं और उनकी अवधारणाओं, विचारों और दृष्टिकोणों को समझते हैं।

इस पुस्तक का उद्देश्य युवा पीढ़ी को निरंतर उत्साहित करना है ताकि वे समाज में अपना नया और सकारात्मक योगदान कर सकें। इस तरह बाल शिक्षा में नवाचार पुस्तक नवीनतम शिक्षण पद्धतियों, शिक्षा मानकों, और बालकों की जरूरतों का विवेचन करती है। यह शिक्षा के क्षेत्र में नए और अद्वितीय दृष्टिकोण और तकनीकों का परिचय देती है ताकि शिक्षकों और शिक्षिकाओं को अपने शिक्षा कौशल को मजबूत करने का मार्गदर्शन किया जा सके। अंत में अरुण कुमार ने आभार व्यक्त किया।

नवरात्रि पूजा

चैत्र मास का पहला दिन यह, नूतन संवत् मान।
नया साल लेकर यह आता, नवरात्रि पूज्यवान।

हे मां दे दो दर्शन, हे मां जोतां वाली,मां शेरावाली।
हे मां अम्बे, हे जगदम्बे, जय मां भवानी।

हे मां शैलपुत्री, चन्द्रघण्टा, ब्रम्हचारिणी,
कालिमा दूर करने तुम भूपर आती,
हे मां कूष्माण्डा, स्कन्दमाता,
कात्यायनी, मां करती हूं दिल से तव स्तुति।

मां कालरात्री, महागौरी, सिद्धिधात्री, मां
मैं कर जोड़ तुमसे करुं विनती।
स्वीकार करो दिल से मां, मेरी अटूट
लगी हुंई, तव चरणों मे भक्ति।

अंजुली भरकर फूल पान चढ़ांऊ, तव चरणों मे,
स्वीकार करो मां पुकार करुं, मै सच्चे दिल से।

धूप-दीप, फल-फूल, सिन्दूर, कपूर,
लौंग,पान, सुपाड़ी समर्पित कीजिए।
संकट मिटाने वाली, विपदा भगाने
वाली, माता सर्व शक्ति शाली, शरण हो लीजिए।

हलुआ, पूड़ी, चना, खीरफल, मेवा अरु
दूध-दही, रुच-रुच भोग लगायें।
घर-घर वंदनवार माता की चौकी सजायें।

हर पापों व कष्टों से हम सभी को बचाना।
मन मन्दिर में मॉ हर रूपों में आप आना।

मॉ भक्तों में ज्ञान ज्योति का दीप जलाना
अपने भक्तों की मनोकामना को भी पूर्ण करना।

सभी जगत-जननी का हुआ आहवान, विख्यात।
विधि-विधान से पूजा-हवन कर कन्या-
भोज संग अंतिम हो दिन पूरा होता नवरात।

जो मैया के शरण में आता,उसका हो
जाता है बेड़ा पार माँ तेरे आनें का।
नौ दिन देवी की स्तुति गाता,सजा दिया
बंदनवार माँ तेरे आनें का।

नवदुर्गा के पूजन के लिए आया नवरात्रि है।
माँ हर मनोकामना को पूर्ण करने वाली अधिष्ठात्री है।

सुश्री सुजाता कुमारी चौधरी
कोलकाता पश्चिम बंगाल
कोलफील्ड मिरर

नवरात्र के सातवें दिन हुई साहस और पराक्रम की महादेवी कालरात्रि की पूजा

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: चैत्र नवरात्र के सातवें दिन माँ दुर्गा के सातवें स्वरूप माँ कालरात्रि की पूजा और अर्चना विभिन्न चैती दुर्गा मंदिरों में संपन्न हुआ। माँ के स्वरूप के कारण ही इनका नाम कालरात्रि पड़ा। क्योंकि इनका वर्ण अंधकार की भांति एकदम काला है। इनके गले में सदैव दिखाई देने वाली माला बिजली की भांति देदीप्यमान है। सभी तंत्र मंत्र के उपासक इस दिन इनकी विशेष रूप से पूजा करते हैं।

इनके नाम के उच्चारण मात्र से ही भूत, प्रेत, राक्षस, दानव और सभी पैशाचिक शक्तियां भाग जाती है। आसुरिक शक्तियों का विनाश करने एवं सदैव शुभ फल प्रदान करने से इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है।

ज्योतिषाचार्य अमरेन्द्र कुमार ओझा उर्फ पप्पू बाबा ने बताया कि नवरात्रि में अन्य दिनों की तरह ही सप्तमी तिथि की पूजा सुबह में हीं होती है, लेकिन रात्रि में विशेष पूजन विधान के साथ माँ कालरात्रि की पूजा की जाती है। माता का यह स्वरूप उपासकों को काल से भी बचाता है अर्थात उनकी अकाल मृत्यु नहीं होती। कालरात्रि साधक को ज्ञान देती हैं कि अपने क्रोध का उपयोग स्वयं की सफलता के लिए कैसे करना है।

पौराणिक कथा है कि शुंभ-निशुंभ और उसकी सेना को देखकर माँ दुर्गा को भयंकर क्रोध आ गया और क्रोध की वजह से माँ का वर्ण श्यामल हो गया। वहीं श्यामल स्वरूप से देवी कालरात्रि का प्राकट्य हुआ। इनकी पूजा में गुड़ के भोग व बने पकवान का विशेष महत्व है। साथ हीं इन्हें कुमकुम, लाल पुष्प और रोली लगाकर नींबुओं की माला और गुड़हल फूल की माला अत्यंत प्रिय है।

अचानक लगे आग से घर एवं घर मे रखा सामान जलकर राख

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के रोशनपुर पंचायत के दौलतपुर गांव में अज्ञात कारणों से लगे आग में एक घर एवं उसमें रखा सभी सामान जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मधुरेश जायसवाल के घर में अचानक आग लग गई, जब तक लोग कुछ समझ पाते तबतक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

ग्रामीणों की सूझबूझ व अथक प्रयासों से भारी मस्कत के बाद आग को बुझाया गया। लेकिन जब तक आग को बुझाया गया तब तक भारी नुकसान हो चुका था और घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ हीं लोक आस्था का महापर्व चैती छठ सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा सोमवार कि सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही निस्तार हो गया।

प्रखण्ड भर में छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया। आमतौर पर यह एक कठिन व्रत है लेकिन आस्था की बात आती है तो सब कुछ आसान हो जाता है।

अहले सुबह से ही छठ घाटों पर श्रद्धालु भक्तों की भीड़ पहुंचने लगी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दान के साथ हीं चैती छठ पूजा संपन्न हो गई। छठ का प्रसाद सबको मिले इसका व्रती एवं उनके परिजनों ने भरपूर ख्याल रखा, जिनके घर छठ का अनुष्ठान नहीं हुआ था, कोशिश यह की गई कि उन तक भी छठ का महाप्रसाद पहुंचे। इस तरह चार दिवसीय आस्था का महापर्व चैती छठ हंसी-खुशी के साथ भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

रामनवमी 17 अप्रैल को तैयारी जोरों पर

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: रामनवमी त्योहार को लेकर पूरे पीरपैंती प्रखंड क्षेत्र में वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। विभिन्न हनुमान मंदिर एवं राम मंदिर को रंग रोगन कर सजाया गया है। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं के द्वारा तैयारी की जा रही है।

मंदिर के रंग रोगन का कार्य अंतिम चरण में है आगामी 17 अप्रैल को इस वर्ष रामनवमी मनाया जाएगा। वही इसको लेकर दुकाने भी सज गई है। दुकानों में महावीरी झंडा वह अन्य पूजन सामग्री खरीदने के लिए खरीदारों की भीड़ भी जुटने लगी है। वहीं कई स्थानों पर राम धुन हरि कीर्तन की तैयारी चल रही है।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी प्रदान की

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (महोली): शिक्षित समाज ही देश को नई पहचान दे सकता है। विद्यालय में बच्चों का स्वर्णिम भविष्य तैयार करने हेतु शिक्षक सदैव ही तत्पर रहते हैं। ताकि बच्चें अच्छे नागरिक बनकर अपने देश की सेवा करने हेतु तैयार हो सके। उनकी शिक्षा में कोई भी बाधा उत्पन्न ना हो इसलिए सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक बच्चे के लिए बारह सौ रुपए ड्रेस,जूता,स्वेटर व स्टेशनरी के लिए अभिभावकों के खाते में प्रेषित किया जाते है किंतु बहुत से अभिभावक उन पैसों को स्वयं ही खर्च कर डालते हैं। नए शैक्षिक सत्र के प्रारंभ में बच्चों को अपनी अगली कक्षा के पाठ्यक्रम को पढ़ने का अवसर प्राप्त होता है। उनकी शिक्षा में बाधा उत्पन्न ना हो इसलिए शिक्षक अभिषेक कुमार शुक्ला द्वारा बच्चों को स्वयं के खर्चे पर नि:शुल्क स्टेशनरी प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वितरित की गई। शिक्षक अभिषेक कुमार शुक्ला प्राथमिक विद्यालय सहजापुर विकास क्षेत्र महोली जनपद सीतापुर में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत है। बच्चों की शिक्षा के लिए सदैव समर्पित होकर अपने नवाचारों के प्रयोग से बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करते हैं तथा विद्यालय विकास हेतु योजनाएं बनाकर उन पर कार्य करते हैं। आपके प्रयासों से विद्यालय में स्मार्ट क्लास की स्थापना और एनजीओ के सहयोग से नि:शुल्क बैग वितरण व पानी की बोतल आदि बच्चों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

आज जनपद सीतापुर का प्राथमिक विद्यालय सहजापुर प्रदेश स्तर पर अपनी अलग ही पहचान रखता है तथा विभाग द्वारा विद्यालय को निपुण विद्यालय घोषित किया जा चुका है।

भूत की कहानी

कोलफीर्ल्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: एक पुराने खंडहर में, जिसे लोग भूत बंगला कहते हैं, एक भूत रहता था और उसे विश्वास था कि दुनिया में भूत होते ही नहीं, उनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। एक दिन अचानक उस भूत को प्रेतात्मा ज्ञान प्राप्त हुआ। अपने साथी भूतों को अपना ज्ञान दाँत दिखाते हुये उपदेश देने लगा।

"भाइयों, सालों साल हवा में घूमते हुये मैंने जो ज्ञान हासिल किया है, वह आपको बताने जा रहा हूँ। मनुष्य और भूत अलग अलग नहीं होते। वे सभी हमारी तरह ही होते हैं और तो और मनुष्य भी बस हमारी तरह ही होते हैं। मरने के पहले ही अति चालाकी, जिसे मृत्यु ज्ञान कहते हैं, का होना ही अंतिम छोर है जीवन का, डेड एंड है। वेयर देर इस ए विल, तेरे इस ए डेविल (जहां चाह है, वहाँ भूत है)। जहां डेविल नहीं है तो वहाँ ईविल है। आत्माओं को मार डालें तो प्रेतात्मा, आत्मा को अलंकृत करें तो अंतरात्मा। जिसकी कोई आत्मा नहीं होती वह परमात्मा। दूसरों की आत्मा को खाते रहने वाला जीवात्मा। अगर आप अपनी खुद की आत्मा को खाते रहें तो महात्मा। अब यह जान लीजिये की मर खप कर मनुष्य ने क्या हासिल किया? यही कि जब चाहें तब भूतों की तरह बदल जाना, भूत बन जाना। बड़ों का कहना है कि ज्ञान से भोजन मिले न मिले पर भोजन की वजह से ज्ञान ज़रूर आता है। आज के जमाने में जब होस्ट (मेजबान) ही घोष्ट (भूत) बन रहे है, ऐसे में हमारी जीवन शैली किस तरह की हो...?" बता ही रहा था की वह भूत बंगला ढह गया और सारे भूत किसी दूसरे को सावधान किए बिना, बताए बिना भाग गए, भागते भूत की लंगोटी भली को सार्थक करते हुये।

हमारे नायक भूत की जब तंद्रा से आँख खुली तो देखा सामने बिल्डर और उसके पीछे उसके बाड़ी बिल्डर थे। अशरीरी भूत को लात मारते हुये बाड़ी बिल्डर ने कहा- अब भूतों को भूत बंगलों में नहीं, शहरों में रहना चाहिये। लात खाकर भूत शहर में जा गिरा। वहाँ की भीड़, जन समुदाय को देखकर भूत को डर लगा। हर आदमी किसी न किसी ओर दौड़ रहा है। क्यों और किसलिए किस ओर दौड़ रहा है, किसी को भी पता नहीं। पूछो तो गंदी सी गाली देकर बढ़ा जा रहा है।

भूत ने कोशिश की कि भयानक रूप से हंसकर वह लोगों को डराए, पर किसी के पास डरने के लिए समय ही नहीं है। आज के रेस वेल्यू के जमाने में फेस वेल्यू को व्यर्थ और अर्थहीन पाकर भूत को पागलपन की हद तक हंसी आई। और वह खीसें निपोरकर, बड़े बड़े दाँत दिखाकर हंसने लगा। दांतों के अस्पताल के लोग आए और उस भूत को अपने डेंटल हॉस्पिटल ले जाकर उसके ऊबड़ खाबड़ दांतों को ठीक किया और सोलह क्लिप लगा डाले। जब भूत ने कहा कि उसके पास फीस और आपरेशन और बाकी के लिए पैसे नहीं है, तो सारे दाँत तोड़कर अस्पताल वालों ने उसे सड़क पर फेंक दिया।

भूत को गुस्सा आया और वह हवा में उड़कर अपने कई करतब दिखाने लगा। एक टी वी चेनल के लोगों ने हवा में जाल फेंका और भूत को पकड़ लिया अपने स्टुडियो ले आए। "सिटी बस कैसे चढ़ें" विषय पर चर्चा कार्यक्रम रखा। जब उन्हें बताया गया कि वह भूत है तो सभी प्रसन्न हुये और चर्चा का विषय बदल कर "शहरों की ओर भूतों का पलायन" कर दिया। भूत ने कहा "पुराने घरों को, खंडहरों को, भूत बंगलों को बिल्डर गिरा रहे हैं, सड़क विभाग वाले पेड़ों को काटकर गिरा रहे हैं। ऐसे में हम कहाँ जाएँ, कहाँ रहें और कहाँ अपना ठिकाना बनाएँ? बताएं" – कहते हुये भूत रोने लगा। इसे देखकर सारे राजनीतिक दल यह कहते हुये कि भूत की सहायता करने का हक़ उनके ही पार्टी को है, लड़ने लगे। खूब मारामारी हुई, कुछ लोग अस्पताल में तो कुछ लोग भूतों के साथी बन गए मर कर भूत बनने के बाद।

डॉ टी महादेव राव
विशाखपटनम (आंध्र प्रदेश)

अच्छे नहीं है लोग ऐसे, जो रूप बदल लेते हैं पल में

अच्छे नहीं है लोग ऐसे, जो रूप बदल लेते हैं पल में।
वादें तो बहुत कर लेते हैं, बात बदल लेते हैं पल में।।
अच्छे नहीं है लोग ऐसे---।।

चंचल बहुत ये होते हैं, छोर नहीं इनकी बातों का।
यकीन तो ये दिला देते हैं, सोच बदल लेते हैं पल में।।
अच्छे नहीं है लोग ऐसे----।।

होते हैं गम्भीर बहुत ये, दर्द किसी दिल का सुनकर।
अश्क दिखाते हैं आँखों में, नजर बदल लेते हैं पल में।।
अच्छे नहीं है लोग ऐसे----।।

अपनी अमीरी को ये छुपाने, लेते हैं गरीबों का सहारा।
सोते हैं कुछ पल ये जमीं पर, सेज बदल लेते हैं पल में।।
अच्छे नहीं है लोग ऐसे-----।।

साथ रहेंगे कुछ दिन तो ये, थोड़ी मदद भी ये करेंगे।
हाथ जोड़कर दुहा करेंगे, दिल बदल लेते हैं पल में।।
अच्छे नहीं है लोग ऐसे---।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

देशभर में स्कूली बच्चों की सेफ्टी का सवाल, जिम्मेदारी किसकी?

स्कूल प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में बच्चों के साथ गलत होने पर, स्कूल प्रशासन व प्रबंधन जिम्मेदारी से बच नहीं सकते

स्कूलों में घटित अपराधिक घटना, दुर्घटना, लापरवाही से बच्चों को क्षति की जवाबदेही स्कूल प्रबंधन व प्रशासन पर तय करना समय की मांग- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर जिस तेजी के साथ भारत चहुंमुखी विकास के एक पहिए शिक्षा क्षेत्र को विकसित व आधुनिक बनाने के लिए संकल्प के साथ नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार तेजी से शिक्षा क्षेत्र का कायाकल्प कर रहा है जो काबिल ए तारीफ है। परंतु नीति निर्धारकों को शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों के साथ गलत होना, दुर्घटना होना या अन्य किसी घटनाचूंकि स्कूल प्रबंधन और प्रशासन की लापरवाही के चलते हो रही है, इसकी जवाबदेही स्कूल प्रबंधन प्रशासन पर तय कर उन्हें कठोर सख्त सजा का प्रावधान नियम अधिनियम बनाने की जरूरत अब आन पड़ीहै, जिसके लिए संबंधित कानून में संशोधन करनेकी घड़ी भी अब आन पड़ी है, क्योंकि जिस तरह दिनांक 11 अप्रैल 2024 को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में एक स्कूल बस पलट गई जिसमें 6 मासूम बच्चों का जीवन चला गया,जो अत्यंत खेद जनक है जिसपर माननीय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भी हादसे पर अपने संवेदनाएं जताकर दुख प्रकट किया है।हालांकि इसके पूर्व भी अनेक बार इस तरह की घटनाएं दुर्घटनाएं स्कूल अधिकार क्षेत्र में बच्चों की हत्या सहित अनेक आपराधिक कृत्य हो चुके हैं, यहां तक कि राजधानी दिल्ली में 1997 में यमुना में बस गिरी थी जिसमें 28 बच्चों की मौत हुई थी तो इसी वर्ष माननीय सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल बसों के लिए गाइडलाइंस जारी की थी, जिसका पालन अनेक स्कूलों द्वारा अभी भी नहीं किया जा रहाहै, परिणाम पर 11 अप्रैल 2024 को फिर एक बार हादसा हुआ परंतु अब शिक्षा विभाग को अति सख्त होना होगा, इस तरह के हादसों के लिए अब स्कूल मैनेजमेंट व प्रशासन पर बहुत गहरी सख्त जवाबदारी जिम्मेदारी का नियम विनियम बनाना होगा, ताकि इस तरह के हादसों के लिए आईपीसी की धारा 34 के तहत सह अपराधी बनाया जाए और सख्त सजा का प्रावधान किया जाए। चूंकि देशभर में स्कूली बच्चों की सेफ्टी का सवाल उठा है और जिम्मेदारी किसकी? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, स्कूलों में घटित अपराधिक घटना दुर्घटना लापरवाही से बच्चों को क्षति की जवाबदेही स्कूल प्रबंधन व प्रशासन पर तय करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 11 अप्रैल 2024 को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्कूली बस हादसे की करें तो, गुरुवार की सुबह स्कूल की बस पलट गई। इस हादसे में 6 छात्रों की मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा घायल बताये जा रहे हैं।सबसे ज्यादा दहलाने वाली बात ये है कि स्कूल की प्रिंसिपल को इसका पता था कि ड्राइवर ने शराब पी है। मीडिया में बताया जा रहा है कि हादसे से करीब 30 मिनट पहले ग्रामीणों ने रास्ते में बस को रोका था। उन्हें पता चला कि ड्राइवर शराब के नशे में है। लोगों ने इसकी जानकारी प्रिंसिपल को दी लेकिन प्रिंसिपल ने बात को हवा में उड़ा दिया और उसी ड्राइवर को बस चलाने की अनुमति दे दी, ग्रामीणों ने जब प्रिसिंपल को फोन करके बताया कि बस का ड्राइवर शराब के नशे में है, तो उसके करीब 30 मिनट बाद ही आग जाकर बस पलट गई, जिसमें 6 बच्चों की जान चली गई। हादसे के बाद घायल बच्चों ने भी अस्पताल में ये बात बताई कि बस का ड्राइवर शराब के नशे में था। बच्चे ने ये भी कहा कि वो बस को करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चला रहा था। अचानक मोड़ आया तो वो बस को कंट्रोल नहीं कर पाया और बस पलट गई। प्रिंसिपल को फोन करने वाले लड़के का बयान लिया गया।इस बात की पुष्टि डीएसपी ने भी किया है, कहा कि उन्हें पता चला है कि रास्ते में कुछ ग्रामीणों ने बस को रोककर स्कूल के प्रिंसिपल को फोन पर बताया था कि ड्राइवर ने शराब पी रखी है। डीएसपी के मुताबिक जिस लड़के ने प्रिंसिपल को फोन किया था, उसका भी बयान दर्ज किया गया है, आगे की जांच की जा रही है। स्कूल के सभी संचालकों की जानकारी ली जा रही है, डीएसपी पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है, बताया कि शिक्षा विभाग से इसकी जानकारी ली जा रही है कि स्कूल के संचालन में कौन-कौन लोग प्रमुख रूप से शामिल हैं,उनकी क्या भूमिका थी। सभी जानकारी मिलने के बात उनके नाम भी एफआईआर में शामिल किया जायेगा। पुलिस के मुताबिक गाड़ी का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं था। उसको लेकर भी मोटर व्हीकल एक्ट की धारा लगाई गई है। जानकारी ली जा रही है कि स्कूल के संचालन में कौन-कौन लोग प्रमुख रूप से शामिल हैं, उनकी क्या भूमिका थी, सभी जानकारी मिलने के बात उनके नाम भी एफआईआर में शामिल किया जायेगा। ड्राइवर के मेडिकल में शराब की पुष्टिडीएसपी ने ये बात स्वीकार की है कि पुलिस की जांच में ये बात सच पाई गई है कि ड्राइवर ने शराब पी थी। ड्राइवर के मेडिकल टेस्ट में शराब पीने की पुष्टि हुई है महेंद्रगढ़ स्कूल बस हादसे में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें स्कूल की प्रिंसिपल,सचिव और ड्राइवर शामिल है।

साथियों बात अगर हम 1997 में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूली बसों के लिए जारी गाइडलाइंस की करें तो, राजधानी दिल्ली में 1997 में यमुना में स्कूली बस गिरी थी, जिसमें 28 स्कूली बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उसी साल स्कूली बसों के लिए गाइडलाइंस जारी की थीं। इन गाइडलाइंस में सेफ्टी के तमाम इंतजाम किए गए थे।(1) स्कूली बस ड्राइवर का अनुभव 5 साल से ज्यादा का होना चाहिए।(2)गाड़ी की स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।(3)हर गाड़ी में प्राथमिक उपचार के लिए फर्स्ट एड बॉक्स होने चाहिए।(4)आग बुझाने के उपकरणों का इंतजाम होना चाहिए।(5)स्कूली बच्चों को ले जाने वाले गाड़ियों की खिड़कियों पर ग्रिल होनी चाहिए।(6)गाड़ी में पीने के पानी की व्यवस्था होनी चाहिए।(7)बस पीले रंग की होनी चाहिए और उस पर स्कूल का नाम और फोन नंबर होना चाहिए।(8)अगर बस को हायर किया गया हो, तो उसके आगे ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना चाहिए।(9) बस में बच्चों के साथ कोई टीचर या अभिभावक होना चाहिए। (10) गाड़ी में सीटों की क्षमता जितनी होगी, उससे 20 फीसदी ज्यादा बच्चे ले जाए जा सकते हैं, ज्यादा नहीं (11) गेट ऐसे होने चाहिए, जो बंद हो सकें यानी प्रवेश द्वार ओपन न हो।दिल्ली पुलिस ने भी स्कूली बच्चों, पैरेंट्स व टीचर्स के लिए गाइडलाइंस जारी की हैं। बच्चों को यह कहा गया है कि वह समय पर घर से निकलें, ताकि बस पकड़ने के दौरान कोई जल्दबाजी न हो। जब भी बस में चढ़ें, तो वह लाइन में रहें। बस में किसी भी तरह से शोर न मचाएं, क्योंकि इससे बस ड्राइवर का ध्यान भटकता है। बस में गेट पर न खड़े हों। खिड़की से अपने शरीर का कोई हिस्सा बाहर न निकालें। पैरेंट्स और टीचर्स के लिए भी कई दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके तहत पैरेंट्स यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चे सेफ हैं। वह सेफ्टी पॉइंट को देखेंगे और अगर कोई नियम का उल्लंघन हो रहा हो तो वह स्कूल अथॉरिटी को इसके लिए सूचित करेंगे, साथ ही पीटीए की मीटिंग में भी इसका जिक्र करेंगे। टीचर्स के लिए भी बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर निर्देश दिए गए हैं।

साथियों बात अगर हम स्कूल प्रशासन व प्रबंधन की जवाबदारी पर विभिन्न विशेषज्ञों की राय की करें तो, रायन इंटरनैशनल स्कूल में बच्चे का कत्ल किया गया, जिसके बाद देशभर के स्कूली बच्चों की सेफ्टी पर सवाल उठे हैं। क्या बच्चे स्कूल कैंपस में भी सेफ नहीं हैं? बच्चे जब स्कूल की कस्टडी में होते हैं तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? बच्चों के साथ होने वाले अपराध या हादसे में स्कूल प्रशासन पर किस हद तक जिम्मेदारी बनती है? इन मसलों पर कानूनी जानकारों का कहना है कि क्रिमिनल केस अलग मुद्दा है, लेकिन स्कूल कैंपस में अगर घटना होती है तो सिविल जिम्मेदारी के तहत स्कूल प्रशासन के खिलाफ दावा किया जा सकता है। लॉ ऑफ टॉर्ट के तहत पीड़ित पक्ष क्षति पूर्ति के लिए मुआवजे की मांग कर सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि देशभर में स्कूली बच्चों की सेफ्टी का सवाल, जिम्मेदारी किसकी? स्कूल प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में बच्चों के साथ गलत होने पर,स्कूल प्रशासन व प्रबंधन जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। स्कूलों में घटित अपराधिक घटना, दुर्घटना, लापरवाही से बच्चों को क्षति की जवाबदेही स्कूल प्रबंधन व प्रशासन पर तय करना समय की मांग है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

श्याम मंदिर के 65वें वार्षिकोत्सव पर तीन दिवसीय आयोजन

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल (चिड़ावा): निकटवर्ती शिक्षानगरी पिलानी में स्थित मंदिर में बाबा श्याम का 65वां वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री श्याम सेवा समिति के व्यवस्थापक अरुण भौमिया बिल्लू ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले धार्मिक आयोजन में 17 अप्रेल को सांय 6.15 बजे बाबा के निशान की पूजा अर्चना के साथ स्थापना की जायेगी। 18 अप्रेल सुबह 8.15 बजे से श्याम मंदिर परिसर में पंडित दिनेश शर्मा झुन्झुनू वाले द्वारा बाबा का अंखड ज्योत पाठ किया जाएगा। 19 अप्रेल को सांय 6.15 से बाबा की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी जो पिलानी के मुख्य मार्गों से होती हुई वापिस मंदिर पहुंचेगी। पिलानी के मुख्य बाजार स्थित गोपीनाथ जी मंदिर के सामने मंदिर के पुजारी द्वारा शोभायात्रा की आरती उतारने के साथ ही पुष्प वर्षा की जाएगी। 19 अप्रेल को सूरजगढ़ दरबार के मंहत श्याम भक्त श्री हजारीलाल सैनी के सानिध्य में विशाल रात्रि जागरण में तनु शर्मा जयपुर, सत्री चक्रधारी जयपुर, डाक्टर अमरदीप जयपुर बाबा का गुणगान प्रभु इच्छा तक करेंगे। साउंड सिस्टम संतोष खंडेलवाल सूरजगढ़ द्वारा किया जाएगा। 20 अप्रेल सुबह 11.15 बजे से बाबा के महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बिल्लू ने आगे बताया कि बाबा के मंदिर को नयनाभिराम लाइट व्यवस्था द्वारा सजाया जाएगा। बाबा के दरबार में भी विशेष साज-सज्जा की जायेगी जो कि आकर्षण का केन्द्र होगी।

डॉ. शंभू पंवार (विश्व रिकार्ड धारक)
अंतर्राष्ट्रीय, लेखक, पत्रकार-विचारक

क्या अम्बेडकरवादी होना इतना आसान है?

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: जब किसी व्यक्ति या संस्थान को अंबेडकरवादी कहकर संबोधित किया जाता है तो उसका तात्पर्य ऐसे व्यक्ति या संगठन से है जो डॉ.भीमराव आंबेडकर द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों, आदर्शों तथा उनके विचारों का अनुपालन करता हो। अम्बेडकरवाद का अर्थ बाबा साहेब के दर्शन से है अर्थात अम्बेडकर जी की विचारधारा का पालन ही अम्बेडकरवाद है। अम्बेडकरवादी विचारधारा के प्रतीकों में बुद्ध, कबीर, पेरियार, ज्योतिराव फुले और अन्य भी शामिल हैं। इस विचारधारा में धर्म, जाति, रूढ़िवादिता, अंधविश्वास, अज्ञानता, छुआछूत जैसी चीजों के लिए कोई जगह नहीं है। अम्बेडकरवाद एक ऐसा विचार है जो अन्याय एवं शोषण के खिलाफ है और वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर मानव में किए जाने वाले उत्थान के लिए एक आंदोलन है।

सिर्फ जय भीम बोलकर अभिवादन करने से और बाबा साहेब की जयंती के दिन उनकी विचारधारा अपनाकर आम दिन सिर्फ मनुवादी विचारधारा अपनाकर खुद को अम्बेडकरवादी कहेंगे तो ये आपकी भूल है। अम्बेडकरवाद के नाम पर बाबा साहेब को पूजना भी बड़ी भूल है। आजकल जहाँ देखो तथाकथित अम्बेडकरवादी पैदा हो रहे हैं, और दूसरी तरफ अपनी रूढ़िवादी सोच त्यागना नहीं चाहते। जिन्हें जय भीम जय संविधान के सिवाय कुछ भी नहीं पता, अगर उन्हें बाबा साहेब की कोई भी दो डिग्री पूछ ली जाए तो नहीं बता पाएंगे और खुद को अम्बेडकरवादी कहते हैं। फिर यही लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्टों द्वारा रायता फैलाते हैं और लोगों के सवालों से घिर जाते हैं, जवाब न सूझने पर उलजलूल प्रतिक्रिया देते हैं, युवा इनमें सबसे आगे हैं। उनके लिए हम इतना ही कहना चाहते हैं कि बाबा साहेब के जीवन की बेसिक जानकारी अवश्य रखें ताकि किसी के सवालों का तार्किक जवाब दिया जा सके।

सुनी सुनाई या रूढ़िवादी विचारधारा अपनाना अम्बेडकरवाद नहीं है। इसके लिए पाखंडवाद, जातिवाद, ऊंच-नीच का त्याग करना होगा। तर्कसंगत मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सिर्फ शिक्षित ही नहीं बल्कि बौद्धिक व तर्कशील भी हो जो किसी भी बात को निडरता से बेबाक कह सके। रूढ़िवादी जंजीरों से मुक्त होना होगा। जिसमें भाईचारा हो, लोकतन्त्र पर बल दिया गया हो एवं साम्प्रदायिक सद्भावना हो। सही मायने में अम्बेडकरवादी वह है जो अम्बेडकर के दर्शन का अनुसरण करता हो।

अरविन्द कालमा
भादरूणा, सांचोर (राजस्थान)

अमेठी और रायबरेली के बारे में गांधी परिवार क्या सोच रहा है?

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: यदि हम पिछले 2019 के चुनाव पर नज़र फेरे तो तब कांग्रेस की 15 उम्मीदवारों की पहली सूची में अमेठी और रायबरेली शामिल थे। इस बार कांग्रेस ने 15 सूची में 244 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए लेकिन इन दोनों सीटों के नाम सामने नहीं आए। रायबरेली से चुनाव लड़ती रही सोनिया गांधी अब राजस्थान से राज्यसभा सांसद बन चुकी है। ऐसे में वे अब लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। उनकी जगह कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का नाम कई बार सामने आया, लेकिन पार्टी ने अधिकृत तौर पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा ने जरूर यहां से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। अमेठी में 2019 में राहुल गांधी भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए जबकि वायनाड से जीते थे। वायनाड से राहुल के बतौर उम्मीदवार नाम पहली सूची में आ गया, लेकिन अमेठी की घोषणा रोक दी। रायबरेली से प्रियंका के चुनाव लड़ाने का विकल्प खुला हुआ है।

कांग्रेस नेता तर्क देते हैं कि अमेठी-रायबरेली में चुनाव 20 मई को है इसलिए अभी फैसले के लिए काफी समय है। दूसरी ओर कांग्रेस वाराणसी, देवरिया, बांसगांव, महाराजगंज सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है जहां अंतिम चरण में एक जून को मतदान है। ऐसे काफी समय होने का पार्टी का तर्क दमदार नजर नहीं आता।कांग्रेस के रणनीतिकारों को यह डर भी सता रहा है कि दोनों सीट से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ता है तो भाजपा चुनाव में यह मुद्दा बना सकती है वह डर गए हैं। ऐसे में पार्टी ने सारे विकल्प खुले रखे हैं और सोच विचार के बाद ही इस पर फैसला किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड के साथ-साथ अमेठी सीट से भी लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस के आला नेता का कहना है कि अमेठी से चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस सांसद का मन बदल रहा है। पहले वायनाड छोड़ू तो अमेठी नाराज और अमेठी छोड़ू तो वायनाड नाराज के चलते राहुल गांधी अमेठी से दूरी बनाए हुए थे, लेकिन हाल में जब राहुल पर हार के डर से भागने की तोहमत बीजेपी ने लगाई, तो कांग्रेस नेता ने भी अपने फैसले पर गंभीरता से विचार करना शुरू कर दिया है।कांग्रेस की अंदरूनी बैठक में राहुल गांधी ने कहा, "हम डरने वाले नहीं हैं। मेरी व्यक्तिगत वजहें थीं, लेकिन डर के भागने जैसी बात की जा रही है। आप लोग भी कह रहे हैं कि उत्तर भारत में संदेश ठीक नहीं जाएगा, पारंपरिक सीट है, तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा, क्योंकि डर कर भाग गया। ये संदेश गलत है, इसको नेस्तनाबूत करना होगा।"

कांग्रेस के भीतर भी नेता अपने अपने तरीके से कयास लगा रहे हैं। भले ही वे मीडिया के सूत्र बनकर कुछ न कुछ बोल दे रहे हैं, लेकिन वे भी हवा में ही कयास लगा रहे हैं - लेकिन अमेठी पर फैसले में वायनाड फैक्टर की एक खास भूमिका जरूर लगती है।

रही बात रायबरेली लोकसभा सीट की तो उसे सोनिया गांधी की चिट्ठी से समझने की थोड़ी कोशिश की जा सकती है। राजस्थान से राज्यसभा का नामांकन दाखिल करने के बाद सोनिया गांधी ने रायबरेली के लोगों के नाम बड़ी ही इमोशनल चिट्ठी लिखी थी - और पुराने रिश्तों को कायम रखते हुए आगे भी परिवार के लिए सपोर्ट सिस्टम बने रहने की सोनिया गांधी ने अपील की थी।

अपनी चिट्ठी के जरिये रायबरेली को लेकर जो संकेत सोनिया गांधी ने देने की कोशिश की थी, राहुल गांधी ने कभी ऐसे भाव नहीं व्यक्त किये। हां, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान वो अमेठी और रायबरेली गये जरूर थे - लेकिन उस दौरे को लेकर वहां के कांग्रेस नेताओं की नाराजगी ही सामने आई थी। स्थानीय कांग्रेस नेताओं का कहना था कि कांग्रेस नेता के स्वागत के लिए जगह जगह जरूरी इंतजाम किये गये थे, लेकिन राहुल गांधी किसी भी जगह अपनी गाड़ी से नहीं उतरे।

राहुल गांधी की नाराजगी स्वाभाविक लगती है। हैं तो वो भी इंसान ही, नेता और राजनेता होने से क्या होता है? वैसे भी अमेठी के लोगों ने जो सलूक राहुल गांधी के साथ किया है, रायबरेली के लोगों ने तो सोनिया गांधी के साथ नहीं किया। 2019 में भी रायबरेली के लोग सोनिया गांधी के साथ खड़े रहे, लेकिन अमेठी के लोगों ने राहुल गांधी का साथ छोड़ दिया। कांग्रेस नेताओं को हराने के लिए बीजेपी ने अपनी समझ से अमेठी की ही तरह रायबरेली में भी तो कभी गांधी परिवार के करीबी रहे कांग्रेस नेता को सोनिया गांधी के खिलाफ उतार दिया था। हां, दिनेश प्रताप सिंह और स्मृति ईरानी में बड़ा फर्क तो है ही।

बहरहाल, सीनियर कांग्रेस नेता एके एंटनी ने अमेठी और रायबरेली को लेकर जो संकेत दिया है, वो अपनेआप में काफी महत्वपूर्ण है। खासकर ऐसे वक्त जब दोनों सीटों पर आम लोगों के साथ साथ बीजेपी की निगाहें टिकी हुई हों। क्योंकि कांग्रेस ही नहीं, बीजेपी ने भी अमेठी और रायबरेली में से किसी भी जगह के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है - वैसे भी अमेठी और रायबरेली में वोटिंग वायनाड के बाद ही होनी है। गांधी परिवार के लिए ये भी बहुत बड़ी राहत की बात हो सकती है।

एक इंटरव्यू में एके एंटनी से अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों कांग्रेस उम्मीदावार को लेकर सवाल पूछा गया था। एंटनी ने साफ साफ तो कुछ नहीं बताया लेकिन काफी हद तक तस्वीर साफ भी कर दी - कम से कम ये तो साफ कर ही दिया है कि गांधी परिवार ने यूपी छोड़ देने का फैसला नहीं किया है। वैसे भी यूपी छोड़ देने के मतलब तो उत्तर भारत ही छोड़ देने जैसा समझा जाएगा। एके एंटनी का कहना है कि अमेठी और रायबरेली को लेकर कयास लगाये जाने की जरूरत नहीं है। एके एंटनी कहते हैं, आप अमेठी और रायबरेली लोक सभा सीटों पर फैसले का इंतजार कीजिये। और इंटरव्यू में एके एंटनी ने जो सबसे खास बात कही है, वो है - 'नेहरू परिवार का एक सदस्य उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होगा।'

एके एंटनी का ये जवाब एक चीज तो स्पष्ट कर ही रहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के अमेठी और रायबरेली से नाता तोड़ लिये जाने की बातें पूरी तरह बकवास हैं - लेकिन दायरा बढ़ा कर एके एंटनी ने नये नये कयासों को दावत दे डाली है। कांग्रेस नेता ने सिर्फ गांधी परिवार का नाम न लेकर नेहरू परिवार की बात कही है, यानी गांधी परिवार से बाहर का भी कोई व्यक्ति अमेठी या रायबरेली से उम्मीदवार हो सकता है - हालांकि, रॉबर्ट वाड्रा के नाम पर एके एंटनी ने फुल स्टॉप लगा दिया है।

इंटरव्यू में एके एंटनी से अमेठी और रायबरेली सीटों को लेकर तो सवाल पूछा ही गया, अमेठी लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा को उम्मीदवार बनाये जाने की संभावनाओं पर भी पूछ लिया गया। जवाब तो एके एंटनी ने अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों को लेकर भी दिये, लेकिन सबसे ज्यादा स्पष्ट रिस्पॉन्स उनका रॉबर्ट वाड्रा को लेकर ही लगा। असल में हाल ही में एक इंटरव्यू में रॉबर्ट वाड्रा ने एक साथ कई दावे किये थे।

रॉबर्ट वाड्रा का कहना था कि चाहते तो वो यही हैं कि पहले प्रियंका गांधी ही संसद पहुंचें, और उसके बाद उनका नंबर आये। अमेठी के लोगों का हवाला देते हुए रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था कि वे चाहते हैं कि अगर मैं चुनाव लड़ने का फैसला करूं तो अमेठी से ही - और लगे हाथ, रॉबर्ट वाड्रा ने ये भी दावा कर डाला था कि कांग्रेस के राजनीतिक विरोधी दलों से भी उनके पास टिकट के ऑफर हैं।

कांग्रेस नेता ने रॉबर्ट वाड्रा के नाम को तो खारिज कर दिया है लेकिन जो बात कही है, उसमें तो राहुल और प्रियंका के साथ साथ वरुण गांधी भी शामिल हो जाते हैं। अभी तक ऐसे कोई संकेत तो नहीं मिले हैं कि वरुण गांधी के लिए कांग्रेस ने नो-एंट्री वाला बोर्ड हटा लिया है, लेकिन पीलीभीत से बीजेपी ने उनकी जगह जितिन प्रसाद को टिकट देकर ऐसी संभावनाओं के द्वार तो खोल ही दिये हैं। सुनने में तो ये भी आ रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा का रायबरेली से चुनाव लड़ना करीब करीब पक्का है। लेकिन जो स्थिति है उसमें प्रियंका गांधी वाड्रा अमेठी में राहुल गांधी की तुलना में बीजेपी की स्मृति ईरानी को ज्यादा कड़ी टक्कर दे सकती हैं - और जिस तरह से राहुल गांधी को वारिस के तौर पर पेश किया जाता रहा है, रायबरेली का मैदान उनका ज्यादा सूट करता है।

अमेठी को लेकर राहुल गांधी के अलावा दो नाम चर्चा में हैं। एक नाम है एमएलसी रह चुके कांग्रेस नेता दीपक सिंह का - और दूसरा नाम है, बीजेपी सांसद वरुण गांधी का। दीपक सिंह को सोशल मीडिया पर स्मृति ईरानी से बड़े ही सख्त लहजे में दो-दो हाथ करते देखा जा सकता है - और वरुण गांधी के बारे में यहां तक बातें हो रही हैं कि वो संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार हो सकते हैं। अमेठी सीट तो वैसे भी समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में कांग्रेस के ही पास है। वरुण गांधी को लेकर ऐसी चर्चाओं को एक ही बात कमजोर करती है वो है मेनका गांधी का ताज़ा बयान कि 'हम ऐसे लोग नहीं हैं।'

अशोक भाटिया

अच्छे प्रसंगों में इतनी ताकत होती है कि लोगों की सोच बदलकर अच्छी सोच की ओर ले जाती है: डा राजेन्द्र पटोरिया

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: प्रसंग शब्द के आसत्तिफ़, भत्तिफ़, संलग्नता, अवसर घटना काण्ड आदि अनेक अर्थ होते हैं। प्रस्तुत संदर्भ में प्रसंग का अर्थ है किसी अवसर पर घटित किसी विशेष घटना के वार्तालाप को बताना या लिऽना प्रसंग है। ये प्रसंग विशिष्ट होने से ही सुनाए या लिऽ जाते हैं।

प्रसंगों की दुनिया भी अलग होती है। एक से बढ़कर एक प्रसंग लिऽ जाते हैं, जिन्हें लोग बड़े चाव, बड़ी लगन बड़ी एकाग्रता एवं उत्सुकता से पढ़ते हैं एवं दूसरों को पढ़ाते व सुनाते हैं। कुछ प्रसंग तो ऐसे होते हैं जो जीवन में आमूल परिवर्तन ला देते हैं, जीवन की सोच तथा जीवन को बदल देते हैं, मन में, दिल में गहरे उतरते हैं। इन प्रसंगों में बहुत कुछ सीऽ मिलती है जो सोचने पर मजबूर कर देती है। कुछ प्रसंग पढ़कर मन में मंथन शुरू हो जाता है, कुछ प्रसंग तो ऐसे होते हैं जिनमें व्यत्तिफ़ डूब जाता है। वैसे ही डायमंड बुक्स डायमंड द्वारा प्रकाशित अनमोल प्रेरक प्रसंग है जिसके लेखक डॉ- राजेन्द्र पटोरिया है।

डा- राजेन्द्र पटोरिया की प्रकाशित पुस्तकें व्यंग्य लेख, व्यंग्य क्षणिकाएं, कविता संग्रह, क्रांतिकारियों, आजादी के तराने, आजादी के बीत, जीवने एवं अन्य विविध विषयों पर 25 पुस्तकें प्रकाशित 5 पुस्तकों का संपादन। लगभग 50 शोध निबंध, 50 लेख, 200 व्यंग्य लेख, 200 कविताएं, 2000 व्यंग्य क्षणिकाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित। बीस वर्ष से अधिक तक विभिन्न विषयों पर नियमित कॉलम। डा - राजेन्द्र पटोरिया जी को कविता, व्यंग्य संग्रह एवं जीवनी की पुस्तकों पर महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई द्वारा पुरस्कृत। देश-विदेश के साहित्य पत्रकारिता आदि हेतु लगभग 100 से अधिक संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है।

डा- राजेन्द्र पटोरिया का कहना है कि अच्छे प्रसंगों में इतनी ताकत होती है कि लोगों की सोच बदलकर अच्छी सोच की ओर ले जाती है। कुछ प्रसंग मन में उथल-पुथल मचा देती है, कुछ शिक्षाप्रद होती हैं। प्रसंगों का भी एक अनमोल ऽजाना होता है कई लोग इस ऽजाने की ऽोज में रहते हैं, कुछ ऐसे प्रसंग होते हैं जो जीवन से जुड़े होते हैं। पिछले कुछ दशकों से मेरा विचार अच्छे प्रसंगों को एकत्रित करने का रहा, मेरे पास अनेकों पत्र, पत्रिकाएं आती हैं, जहाँ भी प्रेरक प्रसंगों की पुस्तक दिऽी ऽरीद कर ले आता। इन प्रसंगों को मनोयोग से पढ़ने के उपरांत मुझे जो प्रसंग अच्छा व मन को छूने वाला व पठनीय लगता है उसकी कटिंग काट कर रऽ लेता कई वर्षों के इन प्रयासों के कारण मेरी बैली में हजारों प्रसंगों की कतरनें एकत्रित हो गई। मैंने इन कतरनों को फिर से दो-तीन बार पढ़ा इनमें से जो प्रसंग ठीक नहीं लगे उन्हें अलग करता गया यह भी एक बड़ी कसरत का काम था। मेरी अपनी समझ में जो अच्छे प्रसंग हो उन्हें प्रकाशन की योजना बनाई। अन्य विषयों पर मेरी 25 पुस्तकें प्रकाशित हैं यह मेरे संकलन को छपाने का नया कार्य था मेरी बहुत इच्छा थी कि पाठकों को कुछ अच्छा रोचक कार्य परोसूं।

मेरी कुछ पुस्तकें डायमंड बुक्स प्रा- लि- द्वारा प्रकाशित हुई हैं, जब मैं पहली बार उनके कार्यालय गया व प्रबंधक श्री नरेन्द्र वर्मा जी से प्रसंगों की पुस्तकों के बाबत चर्चा की तो उन्होंने कहा मैटर भेज दो 2-3 पुस्तकें प्रकाशित कर सकते हैं। वर्मा जी पॉजिटिव सोच वाले, व्यत्तिफ़ के तथा तुरंत निर्णय लेने वाले व्यत्तिफ़ लगे उनसे घंटों तक अनेक विषयों पर चर्चा हुई उनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। अनमोल प्रेरक प्रसंग पुस्तक आपके हाथों में हैं आप भी इसका सदुपयोग जहाँ चाहे जैसा चाहें कर सकते हैं, मेरी तो यही इच्छा है कि अच्छे प्रसंग लोगों तक पहुँचते रहें, एक बहुत बड़ा वर्ग इसका लाभ उठा सके।

उमेश कुमार सिंह

रायबरेली, लोकसभा सीट को अब आज प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने का इंतजार है!

कोलफील्ड मिरर 16 अप्रैल 2024: इंदिरा गांधी एवं सोनिया गांधी के बाद अब रायबरेली वालों को अपनी लोकसभा सीट के लिए प्रियंका गांधी का इंतजार है कारण शांत सुस्त और मोन साधे रायबरेली कांग्रेस में अब एक उमंग है, उल्लास है तथा हर एक को आज यह उम्मीद है कि अब शीघ्र ही इस सीट के लिए प्रियंका गांधी अपना परचा दाखिल करेंगी वैसे देखा जाए तो यह सीट पिछले कुछ वर्षों से सोनिया गांधी के पास थी परंतु अब कुछ समय पहले ही इस बार सोनिया गांधी ने अपना संसद जाने का रास्ता राज्यसभा के सहारे से चुन लिया है एवं उनको वहां से सफलता भी मिल चुकी है तब ऐसे में आज लोकसभा की रायबरेली सीट कांग्रेस की तरफ से खाली हो चुकी है तब ऐसे में गांधी परिवार के किसी अन्य सदस्य के यहां से चुनाव लड़ने की उम्मीदें की जा रही है यही कारण है कि पिछले दो माह से लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीतिकारों ने अपनी नई रणनीतियां भी बनना शुरू कर दी है। केंद्रीय नेतृत्व ने भले ही प्रियंका गांधी के नाम की अभी तक घोषणा नहीं की है लेकिन यहां के कार्यकर्ता उनके नाम को लेकर हि काफी उत्साहित एवं आशान्वित है। कुल मिलाकर रायबरेली के सियासी समर में इस बार इस समय वही हालात है जो वर्ष 1967 में इंदिरा गांधी तो 2004 में सोनिया गांधी के लिए बने थे कांग्रेस के एजेंडे को बूथों पर प्रचारित भी किया जा रहा है तथा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी की बात भी कही है और जिला कांग्रेस समिति इसी बात पर फोकस भी कर रही है तथा आज पुराने कांग्रेसियों की भी मदद ली जा रही है फिर आज कांग्रेस रायबरेली में अभी भी अपने पुराने ब्राह्मण, मुस्लिम और दलित फार्मूले को मुफीद मान रही है। इसी कारण इस बार के चुनाव में भी पार्टी इसी फार्मूले पर कार्य कर रही है। अतः जब से रायबरेली से प्रियंका गांधी का नाम चला है कार्यकर्ताओं में भी काफी उत्साह है। अतः कह सकते हैं कि आज सोनिया गांधी के राज्यसभा से संसद में जाने के बाद आज यहां का कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं यहां की आम जनता अब प्रियंका गांधी के रायबरेली लोक सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की पूरी-पूरी उम्मीद एवं संभावनाएं व्यक्त कर रही है।

एमएम राजावतराज
एमपी, शाजापुर